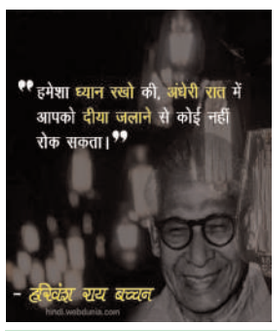

देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

Web Site: www.janjanjagran.com | भोपाल और झांसी से एक साथ प्रकाशित | भोपाल, गुरूवार 24 अप्रैल 2025 | वर्ष-31 अंक-252 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए | पेज - 6

ब्रीफन्यूज

भीषण आग, 87 झोपड़ियां जलीं

लखनऊ। लखनऊ कौनसी खेड़ा में देर रात भीषण आग लग गई। 87 से अधिक झुग्गी-झोपड़ी धधकने लगीं। 2 किमी दूर से लपटें दिखाई दे रही थीं। सिलेंडर और बाइकों के पेट्रोल टैंक फटने से धमाकों से इलाका दहल उठा। आग की लपटें और चीख-पुकार सुनकर लोगों अपने घरों से बाहर निकल आए।। लोगों ने पहले पानी डालकर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। आग बेकाबू होते देख दमकल को सूचना दी। सरोजनी नगर सीएफओ दो दमकल के साथ मौके पर पहुंचे। आग को देखते हुए शहर के सभी दमकल स्टेशन से गाड़ियां बुलाई गईं। 6 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दमकल कर्मी आग पर पूरी तरह से काबू पा सके हैं। हादसा मंगलवार रात पौने तीन बजे बिजली के पोल में शॉर्ट सर्किट से हुआ। देखते ही देखते पूरी बस्ती खाक हो गई।

सोना 2,700 गिरकर 95,784 पर आया

नई दिल्ली। सोने के दाम में बुधवार को बड़ी गिरावट हुई। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 2,700 कम होकर 95,784 पर आ गया है। इससे पहले 10 ग्राम सोने की कीमत 98,484 थी। ये सोने में बीते 1 साल की दूसरी बड़ी गिरावट है। 23 जुलाई 2024 बजट में सोना-चांदी की कस्टम ड्यूटी (इम्पोर्ट टैक्स) घटने के बाद सोने के दाम एक ही दिन में 3600 रुपए हो गए थे। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 508 बढ़कर 96,115 प्रति किलो हो गई है। इससे पहले चांदी का भाव 95,607 प्रति किलो था। वहीं 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

मणिपुर में 6 उग्रवादी गिरफ्तार

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के विभिन्न हिस्सों से प्रतिबंधित संगठनों के चार उग्रवादियों समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए उग्रवादियों में- टोंगब्रम डॉली देवी(कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी), लोंगजाम टोनी सिंह(केसीपी पीडब्लूजी), लैशराम नोंगदंबा सिंह उर्फ लानलीबा (सोरेपा), आरके खोमडोनसाना (अरम्बाई टेंगोल), लौरेम्बम थोइबा उर्फ जैक्सन (अरम्बाई टेंगोल) और पीआरईसीएके का एक कैडर शामिल है। सुरक्षा बलों ने मंगलवार को इंफाल के मोंगजाम की तलहटी में तलाशी अभियान के दौरान एक कार्बाइन, एक सेल्फ-लोडिंग राइफल, सात मैगजीन, 73 कारतूस और 37 खाली खोखे भी जब्त किए।

इस्तांबुल में 6.2 तीव्रता का भूकंप

अंकारा। तुर्किये के इस्तांबुल में बुधवार को 6.2 तीव्रता का एक बड़ा भूकंप आया। इसका केंद्र इस्तांबुल के पास मरमारा सागर में था। तुर्किय की इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी ने बुधवार को बताया कि भूकंप से अभी तक किसी तरह के नुकसान या चोट की कोई खबर नहीं है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज ने भी भूकंप की पुष्टि की है और कहा है कि भूकंप जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई पर था। भूंकप से शहर और आसपास के इलाकों में बड़े झटके महसूस किए गए। लोकल मीडिया की रिपोर्ट्स के मुताबिक भूकंप का सेंटर सिलिवरी के नजदीक था, जो तटीय क्षेत्र है और भूकंपीय एक्टिविटी के लिए जाना जाता है।

डॉक्टरों पर हर हमले की निगरानी नहीं कर सकते

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को डॉक्टरों पर बढ़ते हमलों से रक्षा के लिए दिशानिर्देश बनाने की मांग करने वाली याचिकाओं पर सुनवाई से इनकार कर दिया। शीर्ष कोर्ट ने कहा कि हर चीज की निगरानी करना कोर्ट का काम नहीं है। जस्टिस बेला एम. त्रिवेदी और जस्टिस प्रसन्ना बी. वराले की बेंच ने सुप्रीम कोर्ट के एक पुराने फैसले का हवाला दिया और कहा कि ऐसे मामलों से संबंधित दिशानिर्देश पहले ही बनाए जा चुके हैं और याचिकाकर्ता अगर चाहें तो उचित कानूनी प्रक्रिया अपना सकते हैं। बेंच ने कहा, आप सुप्रीम कोर्ट से यह उम्मीद नहीं कर सकते कि वह हर काम और गतिविधि पर नजर रखे।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक में बनी रणनीति ?

नई दिल्ली। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पीएम मोदी की अध्यक्षता में सीसीएस की बैठक हुई जो कि 2 ।30 घंटे चली। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल सहित अन्य कई लोग मौजूद थे। इस बैठक में पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर गहन चर्चा हुई। बैठक में पहलगाम के दौरे से वापस लौटे गृह मंत्री अमित शाह ने पीएम मोदी सहित सभी अन्य राजनेताओं से पूरी वस्तुस्थिति के बारे में जानकारी दी।

माना जा रहा है कि इस बैठक में भारत ने पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आगे की रणनीति तय की है। जिसका असर आने वाले कुछ दिनों में देखने को मिलेगा।

मालूम हो कि सीसीएस शीर्ष जिम्मेदारों की वो समिति है, जिसमें देश की सुरक्षा से संबंधित बड़े फैसले लिए जाते हैं। इस बैठक से पहले गृह मंत्री अमित शाह पहलगाम का दौरा कर चुके हैं। वो आज ही दोपहर बाद दिल्ली लौटे थे।

सीसीएस की बैठक में शामिल होने से पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, आतंकवादियों द्वारा किए गए कायरतापूर्ण हमले में हमारे देश ने अनेक निर्दोष नागरिकों को खोया है। इस अमानवीय कृत्य से हम सभी गहरी शोक और दर्द में हैं। सबसे पहले मैं उन सभी परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। इस दुखद समय में दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए मैं परमात्मा से प्रार्थना करता हूं।

इसके बाद राजनाथ सिंह ने कहा कि यहां मैं भारत के दृढ़ संकल्प को दोहराना चाहूंगा। आतंकवाद के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस पॉलिसी है। भारत का एक-एक नागरिक इस कायरतापूर्ण हरकत के खिलाफ एकजुट है। मैं देशवासियों को आश्वस्त करता हूं कि घटना के मद्देनजर भारत सरकार हर वो कदम उठाएगी जो जरूरी और उपयुक्त होगा। हम सिर्फ उन लोगों तक नहीं पहुंचेंगे जिन्होंने इस घटना को अंजाम दिया है। हम उन तक भी पहुंचेंगे जिन्होंने पर्दे के पीछे बैठ कर भारत की सरजमीं पर ऐसी नापाक हरकतों की साजिशें रची हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता अधिकार संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक में फसल खरीदी में गड़बड़ी रोकने सरकार का फैसला

बारदानों पर लगेंगे क्यूआर कोड

सीएम डॉ. मोहन बोले- किसानों को समय पर मिले उपार्जन राशि भुगतान

भोपाल। मप्र सरकार पूरे देश में सर्वाधिक 2600 रुपए प्रति क्विंटल की दर पर गेहूं खरीद रही है, ताकि प्रदेश के गेहूं उत्पादक किसानों को सर्वाधिक लाभ मिले। इस उपार्जन राशि में सरकार द्वारा किसानों को दी जा रही 175 रुपए प्रति क्विंटल बोनस राशि भी शामिल है। वहीं अब फसल खरीदी में गड़बड़ी रोकने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। अब बारदानों पर क्यूआर कोड लगाए जाएंगे, जिससे उपज की हरेफेरी पर अंकुश लगाया जा सके। इसी तरह एमपी वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन के अधीन सभी वेयरहाउस को भी क्यूआर कोडयुक्त किया जा रहा है। इनमें सीसीटीवी कैमरे भी लगवाये जाएंगे। खाद्यान्न वितरण, शासकीय उचित मूल्य दुकानों पर नजर

रखने एवं फूड-स्टॉकिंग के सभी कामों की मुख्यालय से निगरानी के लिए भोपाल में एक कंट्रोल कमांड सेंटर भी बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि गेहूं उत्पादन एवं उपार्जन के मामले में हम पंजाब और हरियाणा जैसे खाद्यान्न उत्पादक राज्यों से भी आगे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी प्रकार के राशन कार्डधारकों की ई-केवाईसी जल्द से जल्द पूरा कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मंत्रालय में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता अधिकार संरक्षण विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

जनहित से जुड़ी योजनाओं का हो सही क्रियान्वयन

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के सभी प्रकार के राशन कार्ड धारकों को समय पर और बिना किसी कठिनाई के पात्रतानुसार राशन सामग्री उपलब्ध कराई जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को राशन पाने में किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होंने सार्वजनिक खाद्यान्न वितरण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए व्यवस्थाओं को बेहतर और त्रुटिरहित बनाने के निर्देश दिए हैं, ताकि कोई भी पात्र लाभार्थी राशन पाने से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनहित से जुड़ी सभी योजनाएं, विशेषकर खाद्यान्न वितरण, उज्जवला गैस योजना की सब्सिडी वितरण और घर-घर घरेलू गैस पाइप लाइन डालने का काम पूरी तत्परता और संवेदनशीलता के साथ किये जाएं, ताकि प्रदेश के नागरिकों को सरकार की सुविधाओं का भरपूर लाभ मिल सके।

हर जरूरतमंद तक खाद्यान्न पहुंचाना हमारी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि त्रुटिरहित राशन वितरण, किसानों को उपार्जन राशि का समय पर भुगतान और हर जरूरतमंद तक खाद्यान्न पहुंचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। इसके लिए सभी प्रबंध और जरूरी कदम उठाये जायें। घरेलू गैस की पाइप लाइन डालने का काम जल्द से जल्द पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि मक्का, कोदो-कुटकी जैसे श्रीअन्न भी स्व-सहायता समूह एवं शासकीय उचित मूल्य की दुकानों को दिये जायें, ताकि इनकी मांग (खपत) में वृद्धि हो और श्रीअन्न पैदा करने वाले किसानों को प्रोत्साहन मिले।

पहलगाम आतंकी हमले में अब तक 26 निर्दोषों की मौत.....अबू मूसा ने कहा था- बंदूकें बोलेंगी और कश्मीर में सिर कलम होना जारी रहेगा

जम्मू। बीते रोज जम्मू कश्मीर के पहलगाम में दरिंदों ने निर्दोष और निहत्थे 26 पर्यटकों की हत्या कर दी। ये हत्यारे कौन थे इसको लेकर जांच एजेंसिया बेहत तेजी से काम कर रही हैं। इस हमले के पीछे दो आतंकी सरगनाओं के नाम आ रहे हैं। एक अबू मूसा और दूसरा सैफुल्लाह खालिद। मीडिया रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि इस हमले का सरगना सैफुल्लाह कसूरी उर्फ खालिद है। उसे आतंकवादी हाफिज सईद का करीबी माना जाता है। इसके अलावा दो पीओके के दो ऑपरेटिव्स को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हमला पहले से तय था और हमलावरों ने पहले ही इलाके का जायजा लिया था।

इसके अलावा अबू मूसा का नाम भी सामने आ रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, 18 अप्रैल को रावलकोट में हुई रैली में मूसा ने

कहा था, जिहाद जारी रहेगा। बंदूकें बोलेंगी और कश्मीर में सिर कलम होना जारी रहेगा। भारत गैर स्थानीय लोगों को निवासी प्रमाण पत्र देकर कश्मीर की जनसांख्यिकी बदलना चाहता है। बता दें कि जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में कत्ल-ए-आम मचाने वाले आतंकवादियों की तलाश जारी है। मंगलवार को हुए हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इस हमले में मुख्य रूप से लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर सैफुल्लाह खालिद का नाम सामने आ रहा है। हालांकि, अब तक सुरक्षा बलों ने आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है।

पहलगाम आतंकी हमला: एनआईए ने जारी किए तीन आतंकियों के स्केच, चश्मदीदों ने बताया आतंकियों का हुलिया

पहलगाम। पहलगाम आतंकी हमले की जांच में जुटी एनआईए ने तीन संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। चश्मदीदों द्वारा आतंकियों के बताए गए हुलिये को आधार बनाते हुए राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने ये स्केच तैयार किए हैं। खुफिया रिपोर्ट में बताया गया है कि पहलगाम में हमले को अंजाम देने में कुल 06 आतंकी थे।

पहलगाम हमले में शामिल संदिग्ध आतंकियों के स्केच एनआईए की फॉरेंसिंक टीम ने तैयार किया है। यहां बताते चलें कि पहलगाम आतंकी हमले में देश के विभिन्न प्रदेशों से आए पर्यटकों में से अब तक करीब 28 टूरिस्टों की मौत हो चुकी है, जबकि 20 से ज्यादा लोग घायल हैं। आतंकी हमले की जांच एनआईए के साथ अन्य सुरक्षा एजेंसियां कर रही हैं। जांच एजेंसियों के मुताबिक, आतंकी हमले में सुलेमान शाह, आसिफ फौजी और अबु तल्हा शामिल थे। हालांकि, जारी किए गए स्केच और बताए गए इन आतंकी नामों में से कौन सी तस्वीर किसकी है, यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। इंटेलिजेंस सूत्र यह जरुर बताते हैं कि पहलगाम आतंकी हमले में दो फॉरेन टेररिस्ट और दो लोकल आतंकी भी शामिल थे। दावा किया जा रहा है दो आतंकी पश्तो बोल रहे थे। सूत्रों की मानें तो पहलगाम हमले का मास्टर माइंड सैफुल्लाह खालिद हो सकता है, जो कि पाक अधिकृत कश्मीर से आतंकी गतिविधि को संचालित करता है। वहीं दूसरी तरफ सैफुल्लाह द्वारा एक माह पहले ही हमले की धमकी दी गई थी, इसके साथ ही इसका 2019 का एक वीडियो भी हाल ही में वायरल हुआ था। जारी वीडियो में सैफुल्लाह कहता दिखा था कि कश्मीर का मसला ठंडा नहीं होने देना है। यहां बताते चलें कि जम्मू-कश्मीर में 14 फरवरी 2019 को हुए पुलवामा अटैक के बाद पलहगाम आतंकी हमला सबसे बड़ा हमला है। तब पुलवामा में सीआरपीएफ के काफिले पर फिदायीन हमला हुआ था, जिसमें 40 जवान शहीद हो गए थे। तब हमले की जिम्मेदारी जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी।

यहां बताते चलें कि पहलगाम आतंकी हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के विंग द रजिस्टेंस फ्रंट अर्थात टीआरएफ ने ली है। वहीं गृह मंत्रालय ने टीआरएफ के उस दावे का खंडन किया है कि जिसमें उसने आईबी के अफसरों को निशाना बनाने के लिए हमला करने की बात कही थी। खुफिया तौर पर इस हमले के पीछे पाकिस्तान के हाथ होने की बात भी सामने आई है, लेकिन पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ का कहना है कि इस हमले में पाकिस्तान का कोई हाथ नहीं है। भारतीय जांच एजेंसियां हर एंगल से हमले की जांच कर रही हैं और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भरोसा दिलाया कि किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

पहलगाम हमले के बाद बारामूला में घुसपैठ कर रहे दो आतंकी ढेर

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के पहलगाम में हुई बड़ी आतंकवादी घटना के एक दिन बाद भी आतंकियों की घुसपैठ की कोशिशें जारी हैं। आतंकवादियों ने सरजीवन के जरिए घुसपैठ की कोशिश की है। चिनार कॉर्प्स ने बुधवार सुबह जानकारी दी, 23 अप्रैल 2025 को करीब 2-3 अज्ञात आतंकवादी बारामूला के उरी नाला में सरजीवन इलाके के जरिए घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे। एलसी पर मुस्तैद टीपीएस ने जवाबी कार्रवाई की और उन्हें रोका, जिसके बाद गोलीबारी शुरू हो गई है। हालांकि, सेना ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया है। खबर है कि बुधवार को करीब

2-3 अज्ञात दहशतगर्दों ने बारामूला के जरिए मुल्क में दाखिल होने की कोशिश की है। इस घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बल अलर्ट मोड पर आ गए थे। फिलहाल, ऑपरेशन जारी है।

बता दें कि कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट 'मिनी स्विट्जरलैंड'के नाम से मशहूर पर्यटन स्थल बैसरन में मंगलवार अपराह्न में हुए एक आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ज्यादातर पर्यटक थे। यह 2019 में पुलवामा में हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे बड़ा हमला है। पीटीआई भाषा को एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि मृतकों में दो विदेशी (संयुक्त अरब अमीरात और नेपाल से) और दो स्थानीय निवासी शामिल हैं।अधिकारियों ने बताया कि मारे लोगों में से 22 की पहचान हो गई है तथा अन्य चार की शिनाख्त के प्रयास किए जा रहे हैं। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मृतकों की संख्या का अभी पता लगाया जा रहा है। उन्होंने इस आतंकी हमले को हाल के वर्षों में आम लोगों पर सबसे बड़ा हमला बताया।

मंडी के अनाज गोदाम में लगी भीषण आग

राजगढ़। नगर के कृषि उपज मंडी प्रांगण स्थित टीन शेड से बने अनाज गोदाम में बुधवार को अचानक आग लग गई। गोदाम से धुआं निकलता देख लोग मौके पर पहुंचे। वह आग बुझाने में लग गए। आग तेजी से फैली, जिससे हम्मालों की आठ बाइक, करीब सौ क्विंटल सोयाबीन, साढ़े तीन हजार बारदान समेत अन्य सामान खाक हो गया। इससे लाखों रुपये की नुकसानी का आकलन लगाया गया है। आग लगने का कारण फिलहाल पता नहीं चला है। जानकारी मुताबिक सुबह करीब 11 बजे राजेंद्र करनावद के मंडी प्रांगण स्थित टिन शेड के गोदाम में अचानक आग लग गई।

हूती विद्रोहियों की इजराइल को चुनौती

कई शहरों पर दागी मिसाइलें

तेल अवीव। यमन के हूती विद्रोहियों ने बुधवार को इजराइल पर मिसाइल हमला किया। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका द्वारा लगातार हूती विद्रोहियों को निशाना बनाया जा रहा है। हूतियों के हमलों के चलते इजराइल के हाइफा, क्रयोट और अन्य इलाकों में सायरन बज उठे, जिससे लोगों में दहशत फैल गई और लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंच गए। इजराइली सेना का कहना है कि हमले में किसी नुकसान की खबर नहीं है और संभवत: मिसाइलों को हवा में ही तबाह कर दिया गया।

हूतियों ने अभी तक हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। अमेरिका द्वारा हूतियों पर बीती 15 मार्च से ही हमले किए जा रहे हैं। इसके बावजूद हूती अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने भी अभी तक इजराइल पर हूतियों के हमले को लेकर कोई जानकारी साझा नहीं की है। हूतियों द्वारा इजराइल के गाजा पर हमले के विरोध में लाल सागर इलाके में अतंरराष्ट्रीय व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया रहा है। इसी के चलते अमेरिका ने हूतियों के खिलाफ ऑपरेशन चलाया हुआ है, जिसमें कई बार यमन में हूतियों के ठिकानों पर अमेरिका ने हवाई हमले किए।

अमेरिका द्वारा हूतियों पर मार्च से ही किए जा रहे हमले

हूतियों को ईरान का समर्थन प्राप्त है। नवंबर 2023 से इस साल जनवरी तक हूतियों ने लाल सागर में 100 से अधिक व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाया और दो जहाजों को डुबो दिया। इस दौरान चार नाविक मारे गए। इन हमलों के चलते लाल सागर इलाके में अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रभावित हुआ। हालांकि अमेरिका द्वारा हूतियों पर किए गए हमलों में कितने लोग मारे गए हैं और किन ठिकानों को निशाना बनाया गया है, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। हूतियों द्वारा भी हमलों को लेकर ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई है।

» न्यूज कैप्सूल »

नगर निगम के सहायक यंत्री मनीष तड़से को पितृशोक

जबलपुर। एम 142 शिवनगर दमोह रोड निवासी मनोहर तड़से का 81 वर्ष की आयु में निधन हो गया7 वे नगर निगम के सहायक यंत्री एवं भवन अधिकारी के मनीष तड़से के पिता थे7 उनके निधन का समाचार मिलते ही पूरे नगर निगम में शोक का वातावरण छा गया था7 उनका अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया7 अंतिम यात्रा में समाज के सभी वर्गो के लोगों ने उपस्थित होकर दिवंगत आत्मा का अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

सीएमराइज स्कूल के छात्र का जेईई में चयन

जबलपुर। सी एम राइज मेडीकल स्कूल जबलपुर से 12 वीं के छात्र राजकुमार मल्लाह ने प्रथम प्रयास में जेईई 2025 में सफलता प्राप्त कर विद्यालय और अपने माता पिता को गौरवान्वित किया है। इन्हें कुल 91.38 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं,जिसका रैंक ओ बी सी वर्ग में बयालीस हजार एक सौ सत्तानवे (42197) आया है । अत: इन्हें जेईई एडवांस की परीक्षा के लिए पात्र घोषित किया गया है। छात्र की इस उपलब्धि पर जिला शिक्षा अधिकारी घनश्याम सोनी, प्राचार्य श्रीमती किरण राव, उपप्राचार्य शैलेश कुमार पाठक, बीएसी अजय रजक सहित पूरे विद्यालय परिवार ने छात्र को बधाई देते हुये उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

समय-सीमा में गुणवत्ता के साथ सीएम हेल्पलाइन की शिकायतां का अधिकारी करें निराकरण- अपर कलेक्टर

शहडोल। सीएम हेल्पलाइन में विभिन्न विभाग के संबंधित आवेदन प्राप्त होते हैं। ये आवेदन अधिकतर विभिन्न विभागों के माध्यम से शासन द्वारा संचालित योजनाओं से संबंधित होते है। संबंधित अधिकारी पात्रता के अनुसार उनके आवेदनों का परीक्षण करके संतुष्टिपूर्वक एवं गुणवत्ता के साथ इन आवेदनों का निराकरण समय-सीमा में कर सकते है। इसी तरह हर विभाग के अधिकारियों को चाहिए की उनके विभाग में प्राप्त होने वाले आवेदनों को संबंधित क्षेत्र के मैदानी अमले को सौंपकर उनके निराकरण का दायित्व सौंपे। आवेदनों की संख्या के आधार पर प्रतिदिन, प्रति सप्ताह उनके निराकरण की कार्ययोजना विभाग द्वारा तैयार की जानी चाहिए। नियमित मॉनीटरिंग से आवेदनों का निराकरण आसानी से किया जा सकता है। उक्त निर्देश अपर कलेक्टर श्री सरोधन सिंह ने समय-सीमा की साप्ताहिक बैठक में सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों के निराकरण के संबंध में दिए।

कमिश्नर शहडोल संभाग को शहडोल युवाओं ने भेंट की सकोरे

शहडोल। ग्रीष्मकाल को दृष्टिगत रखते हुए शहडोल युवा टीम द्वारा पशु पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता को शहडोल युवा श्री गौरव मिश्रा, देवेंद्र श्रीवास्तव, प्रभाकर मिश्रा, प्रकाष सेन, आर्या द्विवेदी, षिवनाथ द्विवेदी सहित अन्य युवाओं ने सकोरे भेंट किया। युवा टीम के श्री गौरव मिश्रा ने पषु पक्षियों एवं निराश्रित मवेषियों के लिए अभियान चलाकर किये जा रहे कार्यों की जानकारी दी तथा कमिष्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने किये जा रहे कार्यों की सराहनी भी की। कमिष्नर ने कहा कि युवा टीम शहडोलज युवाओं की टोली का यह अत्यंत सराहनीय प्रयास है। युवाओं के इस प्रयास में हम सभी को अपनी सहभागिता निभाकर पक्षियों के लिए सकोरे बांधने चाहिए जिससे विलुप्त हो रहे पक्षियों का संरक्षण हो सके। उन्होंने कहा इस पुनीत कार्य के लिए लोगो को जागृत करने व परिवार के साथ पक्षियों व पशुओं के लिए दाना पानी की व्यवस्था करने का संकल्प लें इससे पुण्य तो मिलेगा ही।

हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर कृषि यंत्रो पर अनुदान हेतु आवेदन आमंत्रित

शहडोल। सहायक कृषि यंत्री शहडोल ने जानकारी दी है कि कृषको द्वारा खेत में नरवाई जलाना दण्डनीय अपराध है, खेत में नरवाई जलाने से निजात पाने एवं एवं फसल का बेहतर उत्पादन लेने के लिये बुआई हेतु हैप्पी सीडर एवं सुपर सीडर कृषि यंत्र का उपयोग किया जाता है।

पहलगाम में आतंकी हमले से शहर में आक्रोश

जगह जगह प्रदर्शन, पाकिस्तान के पुतले जलाए, शहीदों को श्रद्धांजलि

जबलपुर। जम्मू - कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले और उसमें 27 लोगों की हत्या से शहर में भी गुस्सा देखा जा रहा है7 मोदी सरकार की नाकामी को लेकर कांग्रेस सहित अधिवक्ताओं और विश्व कायस्थ संगठन द्वारा आक्रोश व्यक्त किया गया वहीं मृतको को श्रद्धांजलि अर्पित की गई7

कांग्रेस ने की शोकसभा

शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा सिविक सेंटर वंदेमातरम चौक में शोकसभा का आयोजन किया गया, जिसमें कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़े शब्दों में भर्त्सना की गई और घटना में शहीदों को श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। आतंकियों की कायराना हरकतों की निंदा करते हुए मोदी सरकार की नाकामी पर आक्रोश व्यक्त किया गया। सरकार से मांग की गई आतंकवाद पर सख्ती से कार्रवाई की जाए7 इस अवसर पर शहर कांग्रेस अध्यक्ष सौरभ शर्मा, विधायक लखन घनघोरिया, दिनेश यादव, नेता प्रतिपक्ष अमरीश मिश्रा,

पार्षद अयोध्या तिवारी, संतोष पंडा, हर्षित यादव, पूर्व विधायक संजय यादव, प्रवीन्द्र सिंह चौहान, अनुज श्रीवास्तव, रीतेश गुप्ता, बंटी आदि मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि सभा एवं हिंदू एकता शंखनाद आज

पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले के विरोध में आज 24 अप्रैल गुरुवार की शाम 5 बजे श्री राम मंदिर मदन महल में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा।

इस अवसर पर उपस्थित होने का आग्रह गुलशन मखीजा, मनोज शर्मा, जितिन नारंग, मनीष पोपली शैलू कपूर, अनिल जगगी, राहुल सहगल, पुनीत गुलाटी, गीता पाडेय, योगेश अबरोल, नवीन हांडा, रमेश शर्मा सहित श्रीराम मंदिर मदन महल समिति ने किया है।

अधिवक्ताओं ने पाकिस्तान का पुतला जलाया

आतंकी घटना से गुस्साए अधिवक्ताओं ने कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। घटना से आक्रोशित अधिवक्ताओं ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए और पाकिस्तान का पुतला भी फूंका। प्रदर्शन में जबलपुर हाईकोर्ट और जिला कोर्ट के सैकड़ों अधिवक्ता शामिल हुए। उन्होंने आतंकियों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है। जबलपुर कलेक्ट्रेट पहुंचे अधिवक्ताओं से ज्ञापन लेने कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना खुद भी मौजूद थे। वहीं गुस्साए अधिवक्ता पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए जा रहे थे।

अधिवक्ता संपूर्ण तिवारी ने कहा कि निहत्थे लोगों पर गोलियां बरसाना आतंकियों का शर्मनाक कृत्य है। सरकार इस पूरी घटना का मुंह तोड़ जवाब दे। जबलपुर कलेक्टर को ज्ञापन देने से पहले सैकड़ों अधिवक्ताओं ने अंबेडकर चौक पर पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला भी फूंका।

हमारी पृथ्वी हमारी जिम्मेदारी, विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित

इन्दौर। साउथ राजमोहल्ला स्थित बटुकेश्वरदत्त उद्यान में संस्था एक पहल द्वारा विश्व पृथ्वी दिवस पर हमारी पृथ्वी हमारी जिम्मेदारी विषय पर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। जिसमें संस्था अध्यक्ष बच्छराज भाटी ने कहा कि पर्यावरण की सुरक्षा हम सबकी नैतिक जिम्मेदारी है। जल, जमीन और हवा शुद्ध रहेगी तो हमारा जीवन भी सुखी होगा। सचिव बुरहानुद्दीन शकरुवाला ने बताया कि पहला पृथ्वी दिवस आधुनिक पर्यावरण आंदोलन के रूप में 22 अप्रैल 1970 को मनाया गया था। अब यह विश्व के सबसे बड़े धर्मनिरपेक्ष आंदोलन में से एक बन गया है। उपाध्यक्ष राजेंद्र असावा ने कहा कि गोवंश पर्यावरण को भी संतुलित करने में सहायक सिद्ध होता है और गाय पृथ्वी का आधार है।

आबकारी अधिनियम की धारा 47 असंवैधानिक घोषित

हाईकोर्ट की फुल बेंच का महत्वपूर्ण फैसला - कलेक्टर को वाहन राजसात करने का अधिकार नहीं

जबलपुर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सुरेश कुमार कैत, जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी व जस्टिस विवेक जैन की फुल बैंच ने आबकारी अधिनियम की धारा 47 को असंवैधानिक करार दिया है7 फुल बेंच ने स्पष्ट किया है कि कलेक्टर को वाहन राजसात करने का अधिकार नहीं है7 फुल बेंच ने कलेक्टर के उस आदेश को विलोपित करते हुए असंवैधानिक घोषित कर दिया है. जिसमें अभी तक अपराध में शामिल वाहन को राजसात करने का अधिकार कलेक्टर के पास था।

सागर निवासी रामलाल झारिया की ओर से दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया7 याचिकाकर्ता की ओर से एडवोकेट विवेक रंजन पांडे, जयंत नीखरा, संजीव नीखरा ने कोर्ट में दलीलें पेश की7 याचिकाकर्ता के वकील विवेक रंजन पांडे ने दलील दी कि आबकारी अधिनियम धारा 47 असंवैधानिक है7 कलेक्टर को वाहन राजसात करने का अधिकार नहीं है।

इसी तरह गोवंश अधिनियम 2004 में दिए उस प्रावधान को भी चुनौती दी गई थी. जिसमें अपराध में शामिल वाहन को राजसात करने का अधिकार कलेक्टर को था. अलग-अलग बेंच में लगे इन मामलों को कई बार उठाया गया. जिसके चलते वैधानिक प्रश्न के निराकरण के लिए फुल बेंच को यह केस रेफर किया गया. कई बार मालिक की मर्जी बिना भी वाहन का उपयोग होता है. बहुत बार ऐसा भी होता है कि चोरी के वाहन से शराब सप्लाई की जाती है।

जिसे आबकारी विभाग या फिर पुलिस कई बार पकड़ भी लेती है. लंबी ट्रायल के चलते राजसात वाहन कंडम हो जाते हैं और उनकी नीलामी हो जाती है. कई लोग ऋण लेकर वाहन खरीदते हैं. वाहन जब्त होने से मालिक को अपूर्णीय क्षति होती है. अधिवक्ता विवेक रंजन पांडे ने बताया कि सागर के याचिकाकर्ताओं ने आबकारी अधिनियम की धारा 47 की संवैधानिकता को उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी7 चीफ जस्टिस सहित दो अन्य जस्टिस की विशेष पीठ ने मामले की सुनवाई की. फुल बेंच ने एक्साइज एक्ट की धारा 47 को असंवैधानिक घोषित किया है।

कलेक्टर क्रिमिनल ट्रायल होने के पहले ही उन वाहनों को राजसात कर लेते थे, जो एक्साइज एक्ट के तहत अवैध शराब ले जाते समय जब्त होते थे. तीन जजों की विशेष पीठ ने यह निर्णय दिया है कि कलेक्टर को आपराधिक प्रकरण में सजा दिए जाने से पहले जब्त हुए वाहन को राजसात करने का अधिकार नहीं है।

धारा 47 में दिया गया अधिकार असंवैधानिक है. कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि सजा दिए जाने के बाद ही वाहन को राजसात किया जा सकता है इससे पहले की गई कार्रवाई असंवैधानिक होगी. अधिवक्ता विवेक रंजन पांडे ने बताया कि हाईकोर्ट की फुल बेंच के इस ऐतिहासिक फैसले से उन लोगों को लाभ पहुंचेगा जिनके वाहन बिना वजह ही राजसात हो जाते थे. उन्होंने बताया कि कोर्ट के आदेश का असर खनिज, वन, कस्टम सहित उन विभागों पर भी पड़ेगा जहां पर कि वाहनों के राजसात की कार्यवाही की जाती है।

कोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा कि ऐसे मामलों में वाहन राजसात करने के अधिकार अब सिर्फ न्यायिक मजिस्ट्रेट को होंगे. हाईकोर्ट का यह आदेश उन सभी लंबित मामलों पर प्रभावी होगा जिसमें आज तक जिला दंडाधिकारी ने राजसात या जब्ती का आदेश नहीं दिया है।

मेडिकल कॉलेज प्रांगण विद्यार्थियों के लिए असुरक्षित

अभाविप ने लगाया आरोप, सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज की विभिन्न समस्याओं को लेकर सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जबलपुर महानगर (अभाविप) ने ज्ञापन सौंपा। अभाविप जबलपुर महानगर के कार्यकर्ता व महाविद्यालय के छात्रों द्वारा डीन ऑफिस के बाहर प्रदर्शन भी किया। अभाविप जबलपुर महानगर मंत्री ऐश्वर्य सोनकर ने बताया प्रांगण के आसपास कई प्रकार की घटनाएं घटित होती रहती हैं व असामाजिक तत्वों का प्रवेश होता हैं अत: प्रांगण को सुरक्षित किया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि छात्रों ने बताया कि महाविद्यालय में पढने वाली छात्राओं के लिए छात्रावास में पर्याप्त सीट नहीं हैं। जिससे कई छात्राओं को बाहर रहना पड़ता हैं। कूलर फैन की पर्याप्त व्यवस्था नहीं जिसे शीघ्र उपलब्ध कराया जाए। अभाविप द्वारा सौंपे गए 5 सूत्रीय मांगों के संदर्भ ज्ञापन में कहा गया कि छात्राओं के हॉस्टल मे पर्याप्त शीट न होने से कुछ छात्राओं को बाहर रहना पड़ता है अत: नये हॉस्टल का निर्माण कराया जाए। रीडिंग रूम मे वॉटर कूलर की सुधार कराया जाए। इंटर्न / पी.जी. स्टाइपेंड समय पर दिया जाए, पार्किंग में शेड की व्यवस्था की जाए और कैंपस के आस-पास आए दिन कोई न कोई घटना घटती रहती है अत: सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत की जाए व क्लोज़ कैंपस बनाया जाए। ज्ञापन के दौरान महानगर मंत्री ऐश्वर सोनकर, प्रांत सह मंत्री आर्यन पुंज, प्रांत गिज्ञासा प्रमुख रोहित पांडे, स्नेही सरधा, मन्नू, सम्राट नायक, प्रभांश शर्मा, सौरभ पटेल, अरमान दानिश, सत्यम पटेल, भास्कर पटेल, आशुतोष पटेल, हार्दिक विश्वकर्मा एवं महाविद्यालय के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महापौर व अध्यक्ष सलाहकार परिषद गठन का प्रस्ताव

महापौर ने प्रस्ताव को बजट में शामिल करने का दिया आश्वासन

जबलपुर। संस्कारधानी के सर्वांगीण विकास में जनभागीदारी सुनिश्चित करने हेतु महापौर सलाहकार परिषद एवं अध्यक्ष सलाहकार परिषद का गठन का प्रस्ताव और अधिक समावेशी, जन-आधारित एवं दूरदर्शी बनायेगा यह सुझाव नगर निगम अध्यक्ष रिंकु विज ने सदन में रखा। जिस पर महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू ने सहर्ष स्वीकार करते हुए आश्वासन दिया कि यह जनहित का प्रस्ताव सर्वसम्मति से शामिल किया जायेगा। अध्यक्ष रिकुंज विज ने बताया कि जबलपुर शहर में विभिन्न क्षेत्रों के ऐसे अनेक गणमान्य व्यक्ति हैं जो अपने विशिष्ट ज्ञान, अनुभव और दृष्टिकोण से शहर के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। पत्रकार, साहित्यकार, वरिष्ठ राजनेता, शिक्षाविद, वकील, चार्टर्ड अकाउंटेंट, इतिहासकार एवं कलाकार जैसे विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को एक मंच पर लाकर उनके विचारों और सुझावों को विकास योजनाओं मे शामिल करना अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। यह न केवल विकास प्रक्रिया को अधिक समग्र बनाएगा बल्कि नागरिकों की आकांक्षाओं को भी बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित करेगा। इस प्रस्ताव का मुख्य उद्देश्य है कि शहर के विकास संबंधी महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों में विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना। महापौर एवं नगर निगम अध्यक्ष को शहर के विकास से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विशेषज्ञ सलाह प्रदान करना। विकास योजनाओं को अधिक व्यावहारिक समावेशी औद दूरदर्शी बनाना। शासन और नागरिकों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना। जबलपुर को एक सुन्दर, स्वच्छ, हरित एवं विकसित शहर के रूप में स्थापित करने की दिशा में ठोस कदम उठाना।

जबलपुर साहित्य, संस्कृति और विरासत का संगम

नर्मदा के पावन तट पर स्थित जबलपुर शहर न केवल प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर है, बल्की इसका साहित्यिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व भी अद्वितीय है। यह नगर प्राचीन काल से ही ज्ञान, साधना और संस्कृति की भूमि रही है यहीं जवाली ऋषि की तपोभूमि रही है।

जबलपुर की गौरवशाली पहचान

जबलपुर ने ऐसे विभूतियों को जन्म दिया है जिन्होंने देश-विदेश में इस नगर का नाम रोशन किया जैसे - आचार्य रजनीश (ओशो), महर्षि महेश योगी, हरिशंकर परसाई, डॉ. रामेश्वर शुक्ल (अंचल), प्रेमनाथ अनेकों नाम हैं। इन सभी महापुरूषों की कृतियों और विचारों ने जबलपुर को साहित्यिक और सांस्कृतिक राजधानी के रूप में स्थापित किया है। ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण आवश्यक जबलपुर की प्राचीन इमारतें, कुएँ, बावडि ाँ, और स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े स्थल हमारी ऐतिहासिक विरासत है। इनका संरक्षण और संवर्धन आवश्यक है। नगर में ऐसे उद्यान या स्मृति स्थल विकसित किए जाए जहाँ दिवंगत साहित्यकारों, पत्रकारों की प्रतिमाएं उनके जीवन-वृत्त के साथ स्थापित हों। इससे उनकी स्मृति चिरस्थायी होगी और समाज को प्रेरणा भी मिलेगी।

जबलपुर की पत्रकारिता का योगदान

दादा माखन लाल चतुर्वेदी से लेकर वर्तमान तक अनेक पत्रकारों ने जबलपुर की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कर्मवीर, लोकमत श्री शारदा, जबलपुर समाचार, जयहिंद जैसे पत्र-पत्रिकाएँ इसका प्रमाण हैं। वर्तमान पत्रकारों के लिए विशेष सहयोग योजना प्रिंट, इलेक्ट्रानिक और डिजिटल मीडिया में कार्यरत पत्रकारों को नगर निगम द्वारा विशेष सहयोग प्रदान किया जाना चाहिए। लघु समाचार पत्र, साप्ताहिक, मासिक पत्रिकाएँ लोकल टीवी चैनल और न्यूज पोर्टल को लोकप्रियता और जनहित के आधार पर विज्ञापन एवं आर्थिक सहायता दी जानी चाहिए। जो पत्रकार, साहित्यकार, कलाकार आर्थिक रूप से कमजोर हैं, उनके लिए सम्मान निधि की व्यवस्था की जानी चाहिए।

वेंडर कांट्रेक्टरों को डिजिटल एम.बी. से होगा भुगतान

एम.पी. ट्रांसको ने डिजिटाइजेशन की दिशा में एक और कदम

जबलपुर। एम.पी. ट्रांसको (मध्य प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी) ने अपने कार्यालयीन प्रक्रियाओं में नई तकनीकों के समावेश को आगे ब?ाते हुए डिजिटाइजेशन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जानकारी दी कि मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के कार्यों के बिलों का भुगतान, जो पूर्व में भौतिक मापन पुस्तिका में मैन्युअल प्रविष्टि के बाद होता था, अब वह डिजिटल एम.बी. के माध्यम से ही होगा। एम.पी. ट्रांसको के विभिन्न विभागों में इसका उपयोग करना अनिवार्य कर दिया गया है।

मंत्री श्री तोमर ने बताया कि अब संपूर्ण मध्यप्रदेश में एम.पी. ट्रांसको के कार्यालयों में शत प्रतिशत पारदर्शिता के साथ वेंडर, ठेकेदारों आदि के बिल डिजिटल एम.बी. के माध्यम से भुगतान किये जा रहे हैं। इससे न केवल भुगतान की प्रक्रिया आसान हुई है बल्कि वेंडर, कॉन्ट्रेक्टर आदि भी अपने बिलों की करंट स्टेट्स से अवगत रहते हैं। साथ ही उन्हें निर्धारित समय पर भुगतान प्राप्त भी हो रहा है।

इन हाउस विकसित किया

एम.पी. ट्रांसको के अधीक्षण अभियंता अजय पांडे ने बताया कि इस डिजिटल एम.बी. को कंपनी की आई.टी. एवं ई.आर.पी. सेल ने कंपनी के वित्तीय विभाग से समन्वय बनाकर इनहाउस विकसित किया है। डिजिटल एम.बी. में वेंडर और कॉन्ट्रेक्टर की उनके द्वारा किए गए कार्यों के पार्ट पेमेंट का नियमानुसार भुगतान करने की भी सुविधा दी गई है। सॉफ्टवेयर से किए गए कार्य, उपयोग हुआ मटेरियल और शेष कार्य तथा मटेरियल की गणना कर भुगतान की राशि निकल आती है।

क्या है डिजिटल एम.बी

डिजिटल एम.बी. एक डिजिटल मापन पुस्तिका है। यह सरकारी कार्यालयों में बाहरी एजेंसी द्वारा किए गए कार्यों, सप्लाई किये गए मटेरियल के बदले भुगतान प्रक्रिया का सबसे महत्वपूर्ण अभिलेख होता है। यह किए गए कार्य की वास्तविक माप या गिनती का मूल अभिलेख कहलाता है।

ब्रांड रिवाह वेडिंग ज्वेलरी

जबलपुर। अक्षय तृतीया के पवित्र पर्व के लिए भारत में शादी से जुडी विभिन्न परंपराओं की गहरी समझ के साथ, रिवाह बाए तनिष्क अलग.अलग समुदायों की दुल्हनों के लिए बनाई गयी ज्वेलरी की विशाल श्रेणी प्रस्तुत कर रहा है। हल्दी से लेकर मेहंदी तक, संगीत से लेकर शादी तक, हर फंक्शन के अनुरूप आभूषण रिवाह में हैं। यहां हर आभूषण को न केवल परंपराओं को निभाने बल्कि दुल्हन की अपनी सोचए पसंद और शान को प्रतिबिंबित करने के लिए बनाया जाता है। रिवाह में विरासत और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति का मिलाप है जो दुल्हनों को उनके अपने ब्राइडल नरेटिव बनाने में मदद करता है।

पानी को सहेजने हेतु हम सब को एक जुट होकर करना होगा कार्य: विधायक जैतपुर

जल संरक्षण के महत्व को बताने विधायक एवं कलेक्टर ने बुड़ार जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत चकौड़िया में लगाई जल चौपाल

शहडोल। 'जल की एक-एक बूंद अमृत के समान है'। जल के बिना जीवन असंभव है। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के आह्वान पर पूरे प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। जिसका उद्देश्य जल के संरक्षण, संवर्धन के साथ ही आम जन को जल प्रबंधन की जानकारी देना तथा जल के एक-एक बूंद को संरक्षित करना है। विधायक जैतपुर श्री जयसिंह मरावी बुड़ार जनपद पंचायत के ग्राम चकौड़िया में आयोजित जल चौपाल कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नरेंद्र सिंह धुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जैतपुर श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अर्चना मिश्रा, जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री विवेक पाण्डेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत बुड़ार श्री दिवाकर सिंह, ग्राम पंचायत चकौड़िया की सरपंच श्रीमती शान्ति बाई पाव, सचिव श्री नागेन्द्र त्रिपाठी, रोजगार सहायक श्री रामसहोदर यादव, जन अभियान परिषद के परामर्शदाता, प्रस्फुटन समिति के सदस्य सहित काफी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि नदी, नाले, तालाब, स्टाप डैम, चेक डैम, कुआं, बावड़ी, खेत तालाब, आदि समाज की धरोहर हैं। इन जल संरचनाओं का संरक्षण एवं संवर्धन करके ही हम वर्षा के जल को बचा सकते हैं। वर्षा के जल को बचाने से जहां हमें खेती में सिंचाई के लिए पानी पेयजल, निस्तार, पशु पक्षियों के पीने के लिए पानी तथा वृक्षारोपण के पश्चात वृक्षों को जीवित रखने के लिए पानी उपलब्ध हो सकेगा।

» न्यूज कैप्सूल »

पेयजल आपूर्ति में न रहे कोई कमी -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंत्रि-परिषद के सभी सदस्यों से कहा है कि बढ़ती गर्मी के मद्देनजर वे प्रदेश के सभी अंचलों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था पर सतत निगरानी रखें। उन्होंने कहा कि मंत्रीगण अपने प्रभार के जिलों और अपने गृह जिले में भी पेयजल की आवश्यकतानुसार समुचित आपूर्ति के लिए स्वस्फूर्त प्रयास करें। पीने के पानी की आपूर्ति बाधित न हो। किसी को भी पेयजल के लिए कठिनाई न होने पाए। उन्होंने कहा कि पेजयल व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए जिला प्रशासन के साथ पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करें और उन्हें अपना मार्गदर्शन एवं आवश्यक दिशा-निर्देश भी दें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मंत्रि-परिषद के सदस्यों को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर में टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन (टीएमजेड) की स्थापना के लिए राज्य सरकार ने सैद्धांतिक सहमति दे दी है। निवेशकों द्वारा सहमति देने पर ग्वालियर में जल्द ही टेलीकॉम मैन्युफैक्चरिंग जोन की स्थापना की जाएगी। इसके लिए हम केंद्रीय दूरसंचार मंत्रालय को हर जरूरी सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि इस टीएमजेड में ब? निवेशकों द्वारा निवेश करने की रूचि व्यक्त की गई है। इस प्रयोजन के लिए पहले चरण में ग्वालियर आईटी पार्क की 70 एक? तथा दूसरे चरण में साडा ग्वालियर की 300 एक? भूमि आवंटित की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस परियोजना में लगभग 12 हजार करो? रूपए के निवेश की संभावना है। इससे 5 हजार से ज्यादा रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

भारतीय संस्कृति में है समृद्ध वैज्ञानिक दृष्टिकोण: उच्च शिक्षा मंत्री परमार

भोपाल। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री इन्दर सिंह परमार ने मंत्रालय स्थित सभाकक्ष में, उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल एवं अखिल विश्व गायत्री परि?वार के संयुक्त तत्वावधान में यज्ञ अनुष्ठान के विभिन्न पहलुओं पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध, परीक्षण एवं प्रयोगात्मक अध्ययन कार्यों के विस्तृत प्रतिवेदन का अवलोकन किया। प्रतिवेदन प्रस्तुतीकरण द्वारा शोधार्थी विद्यार्थियों ने मंत्री परमार को अपने शोध एवं अध्ययन कार्यों से भी अवगत कराया।

मंत्री परमार ने भारतीय ज्ञान परम्परा के महत्वपूर्ण अंग यज्ञ अनुष्ठान पर, वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित आध्यात्मिक पुरुषार्थ करने वाले समस्त शोधार्थी विद्यार्थियों एवं वैज्ञानिक दल की सराहना करते हुए, उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। मंत्री परमार ने कहा कि यज्ञ अनुष्ठान, भारतीय ज्ञान परम्परा का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण अंग है। यज्ञ अनुष्ठान के शोध एवं अध्ययन का यह निष्कर्ष, वैश्विक मानस पटल पर भारतीय पुरातन ज्ञान के प्रति मानसिक अवधारणा को प्रभावित करेगा और भारतीय समाज में प्रचलित परम्परा के रूप में निहित ज्ञान में विद्यमान वैज्ञानिक दृष्टिकोण को वैश्विक मंच पर अभिव्यक्त करेगा। श्री परमार ने कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा पर वैज्ञानिक दृष्टिकोण आधारित शोध एवं अध्ययन सतत् होना चाहिए। भारतीय समाज में हर विद्या हर क्षेत्र में विद्यमान ज्ञान को युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में पुन: शोध एवं अनुसंधान कर, दस्तावेजीकरण करने की आवश्यकता हैं।

विद्यार्थी अपनी जिम्मेदारी पूर्ण समर्पण के साथ निभाएं और आगे बढ़ें-पशुपालन राज्य मंत्री पटेल

भोपाल। पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने कहा है कि शिक्षा पूर्ण होने और प्लेसमेंट हो जाने के बाद सभी विद्यार्थी एक नए जीवन की ओर आगे बढ़ेंगे। वे अपनी जिम्मेदारी पूर्ण समर्पण के साथ निभाएं और आगे बढ़ें। उन्हें जीवन में सफलता के अनेक अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कठिनाई के समय में निराश न हों, बल्कि अपने अंदर की कमी को निखारे और आगे बढ़े। जीवन में कुछ हट के करना होगा, जिससे दुनिया आपको याद रखे।

आईईएस यूनिवर्सिटी एवं आईईएस कॉलेज ऑफ टेक्नालजी के वर्ष-2025 बैच के प्लेसमेंट में चयनित इंजीनियरिंग, पॉलिटेक्निक, मैनेजमेंट, फार्मेसी, बीबीए, बीसीए एवं अन्य कोर्स के छात्रों के लिए प्लेसमेंट-डे का आयोजन आईईएस कैम्पस में मंगलवार को किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्य मंत्री लखन पटेल ने किया।

बीज निगम के एमडी नहीं दे रहे कर्मचारियों के क्लेम

41 डिग्री तापमान में रिटायर कर्मचारियों ने दिया धरना, भुगतान के लिए सड़कों पर उतरेंगे

भोपाल। एमपी बीज निगम के कर्मचारियों को एक ओर पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है, वहीं दूसरी ओर बीज निगम प्रबंधन छह साल से ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण और अन्य क्लेम का भुगतान नहीं कर रहा है। इससे बीज निगम से रिटायर होने वाले कर्मचारियों को परिवार के भरण पोषण की दिक्कतों से दो-चार होना पड़ रहा है। ऐसे में अपनी मांगों की पूर्ति के लिए बीज निगम के सेवानिवृत्त कर्मचारियों का धरना प्रदर्शन 41 डिग्री तापमान में तीन दिन से जारी है।

सेवानिवृत अर्द्ध शासकीय अधिकारी कर्मचारी फेडरेशन ने बीज निगम के सेवानिवृत अधिकारियों-कर्मचारियों को ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण एवं अन्य क्लेम की मांग की है, जिसकी सुनवाई नहीं हो रही है। इन सबने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव कृषि और किसान कल्याण विभाग को ज्ञापन सौंपा। बीज निगम के एमडी द्वारा इस प्रदर्शन को देखते हुए बिजली कनेक्शन काटा गया जिससे कर्मचारियों में भारी आक्रोश है।

फेडरेशन के महासचिव अरुण वर्मा एवं अनिल बाजपेई ने बताया कि सेवानिवृत कर्मचारियों का ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण एवं अन्य क्लेम का भुगतान मूलभूत अधिकार है। बीज निगम प्रबंधन द्वारा वर्ष 2019 से अभी तक सेवानिवृत कर्मचारियों को ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण अन्य क्लेम का भुगतान नहीं किया जा रहा है जिसकी वजह से कर्मचारियों में भारी असंतोष व्याप्त है। कर्मचारियों का कहना है कि हमें पेंशन नहीं मिलने के कारण ग्रेच्युटी, अवकाश नगदीकरण एवं अन्य क्लेम ही परिवार जनों के भरण पोषण का मुख्य आधार है। यदि भुगतान नहीं किया गया तो उग्र आंदोलन करेंगे। साथ ही सड़कों पर उतरेंगे और प्रबंध संचालक के निवास पर जाकर नींद हराम आंदोलन कर प्रबंधन का पुतला भी जलाएंगे। प्रदर्शन सभा को अरुण वर्मा, अनिल बाजपेई, ओपी सोनी, पीसी जैन राजेश वर्मा, एसएस तिवारी सहित अन्य कर्मचारी नेताओं ने संबोधित किया। इन मांगों को लेकर 41 डिग्री तापमान में निगम मुख्यालय में तीसरे दिन धरना प्रदर्शन जारी रहा।

एयर एम्बुलेंस सुविधा का होगा विस्तार: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से नागरिकों की स्वास्थ्य समस्याओं का निराकरण किया जाए। कैंसर जैसे रोगों से ग्रस्त नागरिकों को आवश्यक उपचार सुविधाएं प्राथमिकता से दिलवाई जाएं। प्रदेश में अंगदान को प्रोत्साहित किया जाए। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज प्रारंभ किए जा रहे हैं जो प्रदेश के नागरिकों को बेहतर उपचार सुविधाएं उपलब्ध करवाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार द्वारा अस्पतालों से घर तक पार्थिक देह ले जाने के लिए शव वाहन उपलब्ध करवाने का निर्णय लिया गया है। यह व्यवस्था जिलों से प्रारंभ होगी जिसका बाद में विकास खण्ड और तहसील स्तर तक विस्तार होगा। प्रदेश में एयर एम्बुलेंस सेवा को अधिक प्रभावी बनाते हुए गंभीर रोगियों के साथ ही दुर्घटनाओं में गंभीर रूप से घायल नागरिकों को भी सेवाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित किया जाएगा।

बड़े पैमाने पर पुलिस अफसरों के ट्रांसफर की तैयारी

डीएसपी एवं सीएसपी के होंगे थोकबंद तबादले

भोपाल। मप्र में पुलिस विभाग में बड़े स्तर पर तबादले की तैयारी की जा रही है। सूत्रों का कहना है कि पुलिस मुख्यालय ने तबादले का मसौदा तैयार कर गृह विभाग को भेज दिया है। जैसे की सूची को हरी झंडी मिलेगी, पूलिस विभाग में डीएसपी और सीएसपी से लेकर अन्य पुलिस अधिकारियों के तबादले होंगे। गौरतलब है कि मप्र में 1 से 30 मई तक तबादले होंगे। मुख्यमंत्री ने नीति तैयार करने के लिए निर्देश जारी कर दिए हैं। अगली कैबिनेट बैठक में तबादला नीति 2025 प्रस्तुत की जाएगी।

राज्य पुलिस सेवा (एसपीएस) के 65 के लगभग अफसरों के तबादले होने हैं। इस संबंध में एक महीने से प्रस्ताव गृह विभाग में लंबित है। इधर लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू के भी कुछ पुलिस अधीक्षकों को बदला जा सकता है। दोनों ही लिस्ट फिलहाल गृह विभाग के पास अटकी हुई हैं। इसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षकों को भी इनके बदला जा सकता है। वहीं जिलों में पुलिस अधीक्षकों को बदलने की कवायद चल रही है। इधर इस सूची के अटकने से कई अफसर अपनी मनचाही जगह पर जाने के प्रयास में लग गए हैं, जबकि कुछ तबादला न हो इस प्रयास में लग गए हैं। दोनों ही तरह के प्रयासों में लगे अफसरों की दौड़, मुख्यमंत्री सचिवालय से लेकर पुलिस मुख्यालय तक लगी हुई है। इनमें से डेढ़ दर्जन के लगभग ऐसे अफसर हैं जो मनचाही जगह पर जाने के प्रयास में लगे हुए हैं, जबकि 10 अफसर ऐसे हैं जो तबादला नहीं चाहते हैं।

एक महीने पहले भेजा प्रस्ताव

पुलिस मुख्यालय ने करीब एक महीने पहले प्रशासनिक दृष्टि से 65 के लगभग डीएसपी के तबादले करने का प्रस्ताव तैयार किया था। जिसमें भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सतना सहित कई जिलों में पदस्थ डीएसपी एवं सीएसपी के नाम शामिल हैं। वहीं एक ही जिले में तीन या उससे अधिक साल से ज्यादा से पदस्थ डीएसपी-सीएसपी को हटाया जाना है। इन सब को लेकर यह सूची तैयार की गई थी। इसके बाद इसे गृह विभाग में भेजा गया। इसी बीच एक अन्य प्रस्ताव गृह विभाग को पुलिस मुख्यालय ने भेजा था, जिसमें सीएसपी-डीएसपी की जिलों में पदस्थापना एसपी कर सकें। फिलहाल इस प्रस्ताव को वापस लौटा दिया गया है। जबकि तबादलों वाले अफसरों का प्रस्ताव पहले भेज दिया गया था। इसलिए इसमें सीएसपी डीएसपी को सब डिवीजन में भेजे जाने का ही उल्लेख है। डीएसपी के तबादला लिस्ट के साथ ही गृह विभाग में लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू के कुछ पुलिस अधीक्षकों को बदले जाने की भी चर्चा है। ईओडब्ल्यू और लोकायुक्त में एसपी के कुछ पद खाली भी हैं। उन्हें भी इसमें भरा जाएगा। यह लिस्ट जल्द ही आ सकती है।

पुलिस अधीक्षकों को भी ट्रांसफर का इंतजार

कई जिलों के पुलिस अधीक्षकों को भी बदला जाना है। जिलों में एसपी बदलने की अटकले एक जनवरी से लगातार चल रही है, लेकिन किसे कहां पर पोस्ट करना है, इसे लेकर कोई निर्णय नहीं हो पा रहा है। इसके चलते जनवरी से लेकर अब तक पुलिस अधीक्षकों के तबादले नहीं हो पा रहे है। पुलिस अधीक्षकों के साथ ही कुछ रेंज के आईजी और डीआईजी भी बदले जाना है। हालात यह हो गए हैं डीआईजी बनने के बाद भी तीन अफसर तीन महीने से पुलिस अधीक्षक का ही काम देख रहे हैं। जबकि आईजी हो चुके दो अफसर अब भी डीआईजी का कामकाज संभाल रहे हैं।

भीषण गर्मी का अलर्ट...43 डिग्री के पार जाएगा पारा

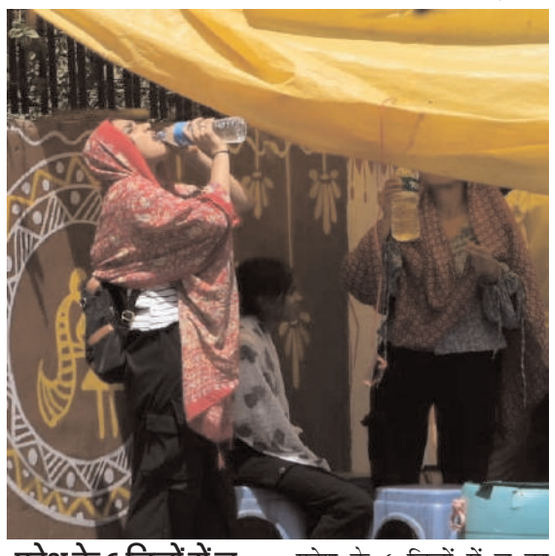

प्रदेश के 6 जिलों में लू का अलर्ट, कई शहरों

भोपाल। मध्यप्रदेश में अप्रैल के आखिरी दिनों में भीषण गर्मी का अलर्ट है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत कई शहरों में पारा 43 डिग्री के पार पहुंच सकता है, जबकि खजुराहो, नौगांव, पन्ना, सीधी में तापमान 45 डिग्री या इससे अधिक रह सकता है। वहीं, लू भी चलेगी। प्रदेश के 6 जिलों में लू का अलर्ट है। इनमें निवाड़ी, टीकमगढ़, पन्ना, सतना, सीधी और सिंगरौली जिले शामिल हैं। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर समेत अन्य शहरों में भी तेज गर्मी रहेगी।

अप्रैल के पहले, दूसरे और तीसरे सप्ताह में तेज गर्मी और बारिश का दौर बना रहा। पहले सप्ताह में सभी संभागों में सामान्य से 2-3 डिग्री ज्यादा 21-24 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं, दिन में पश्चिमी गर्म हवाओं के कारण अधिकतम तापमान इंदौर, सागर और नर्मदापुरम संभागों में सामान्य से ज्यादा 39 से 44 डिग्री तक पहुंच गया। उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर समेत बाकी संभागों में यह 41 से 42 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पहले सप्ताह रतलाम में लू चल चुकी है। वहीं, बाकी शहरों में गर्म हवाओं से गर्मी बढ़ी रही। दूसरे सप्ताह में पूरे प्रदेश में तेज आंधी, बारिश, ओले और गरज-चमक की स्थिति बनी रही। प्रदेश के 80 प्रतिशत हिस्से में बारिश हुई। दूसरी ओर, कुछ जिलों में गर्मी का असर भी रहा। तीसरे सप्ताह में उत्तर-पश्चिमी हवाओं के जोर पकड़ने के साथ इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, नर्मदापुरम संभागों में न्यूनतम तापमान 25 से 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। वहीं, पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान 40 से 44 डिग्री सेल्सियस या इससे ज्यादा रहा। कई जिलों में लू भी चली।

बच्चों में खतरनाक स्थिति में पहुंची 'शुगर'

स्कूलों में गठित होंगे बोर्ड, राष्ट्रीय बाल अधिकार आयोग ने की सिफारिश

भोपाल। भारत में मधुमेह (शुगर) की बीमारी खतरनाक स्थिति में पहुंच गई है। अभी तक यह बीमारी बड़ों में देखने को मिलती थी, लेकिन अब स्कूली बच्चों को भी मुधमेह अपना शिकार बना रही है। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की सिफारिश पर लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को स्कूलों में शुगर बोर्ड गठित करने के निर्देश दिए हैं। बोर्ड का उद्देश्य बच्चों को चीनी के सेवन से होने वाले खतरों से अवगत कराएगा।

लोक शिक्षण संचालनालय के अपर संचालक रवीन्द्र कुमार सिंह ने बाल संरक्षण आयोग की सिफारिश के आधार पर निर्देश पत्र में कहा है कि पिछले एक दशक में बच्चों में टाइप-2 मधुमेह के मामलों में भयंकर बढ़ोत्तरी हुई है। इसके लिए अधिक मात्रा में चीनी का सेवन जिम्मेदार है। जो स्कूल और आसपास दुकानों पर उपलब्ध मीठे स्नैक्स, पेय पदार्थ और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के उपयोग से होता है। पत्र में चेताया है कि चीनी के ज्यादा सेवन ने सिर्फ मधुमेह ही नहीं होता है, बल्कि मोटापा, दांतों, पाचन से संबंधित समस्या भी होती हैं।

स्कूल एवं आसपास जंक फूड होंगे प्रतिबंधित

स्कूलों में शुगर बोर्ड गठित होने के बाद बोर्ड की यह जिम्मेदारी रहेगी कि स्कूलों की कैंटीन में अत्यधिक चीनी वाले खाद्य एवं पदार्थ, जंक फूड, कोल्ड ड्रिंक्स आदि प्रतिबंधित होंगे। साथ ही छात्रों के स्कूल भोज में भी ये प्रतिबंधित श्रेणी में रहेंगे। इसके लिए स्कूलों में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। जिसमें परिजनों की भागीदारी सुनिश्चित होगी।

भोपाल के आसपास वन भूमियों में हो रहा अतिक्रमण

कलेक्टर से हुई शिकायत, होगी सख्त कार्रवाई

भोपाल। राजधानी भोपाल जिले के आसपास के वन क्षेत्र में लगातार अतिक्रमण बढ़ता जा रहा है। जिसकी शिकायत भोपाल कलेक्टर से की गई है। कलेक्टर ने वन विभाग के आला अधिकारियों के साथ मीटिंग कर वन विभाग की अतिक्रमण वाली भूमियों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।भोपाल कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने वन भूमि पर बढ़ते अतिक्रमण और अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने की बात कही है। बैठक में जिला वन अधिकारी आलोक पाठक, समरधा, बैरसिया और नजीराबाद के रेंजर और वरिष्ठ ग्रामीण पुलिस अधिकारी शामिल थे।

भोपाल कलेक्टर ने अतिक्रमणकारियों को बेदखल करने, अवैध उत्खनन और पेड़ों की कटाई पर अंकुश लगाने और जिले की वन भूमि में रात के समय बाघों की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में वाहनों की आवाजाही को नियंत्रित करने जैसे प्रमुख मुद्दों के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने एनजीटी द्वारा लिए गए निर्णयों के क्रियान्वयन की भी समीक्षा की और अगोनी, समरधा और प्रेमपुरा सहित गांवों में फरिस्ट से राजराव को हस्तांतरित वन भूमि से जुड़े भूमि लेनदेन पर प्रतिबंध लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

बैरसिया और नजीराबाद में हुआ अतिक्रमण

कलेक्टर से की गई शिकायत में खुलासा हुआ है कि नजीराबाद में दो और बैरसिया में दो लोगों को वन भूमि पर अतिक्रमण किया है जिन्हे नोटिस जारी किए गए हैं। डीएफओ आलोक पाठक ने सख्त कार्रवाई के लिए कहा कि आगे की कार्रवाई को अंतिम रूप देने के लिए बैरसिया एसडीएम की अध्यक्षता में एक और समीक्षा बैठक होगी। पाठक ने कहा कि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बाघों के भ्रमण वाले क्षेत्रों में भारी वाहनों की आवाजाही के लिए समय सीमा लागू करने पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है।अतिक्रमणकारियों और अन्य अवैध कार्यों के खिलाफ कार्रवाई के लिए संयुक्त प्रवर्तन दल तैनात किए जाएंगे। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि वन विभाग द्वारा रखे गए बिंदुओं पर चर्चा करने के लिए वन, राजस्व, खनन और पुलिस के अधिकारियों के साथ एक अंतर-विभागीय बैठक आयोजित की गई थी।

देश में आंगनवाड़ियों को अब नहीं देना होगी फूड लाइसेंस की फीस

एफएसएसएआई ने इन्हें महिलाओं और बच्चों के लिए पोषण आहार उपलब्ध करवाने के लिए फीस माफ की

भोपाल। देश में आंगनवाड़ियों को अब खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अंतर्गत लिए जाने वाले रजिस्ट्रेशन और लाइसेंस के लिए फीस नहीं चुकानी होगी। आंगनवाड़ियों के नए फूड रजिस्ट्रेशन और रिन्युअल के लिए अब उन्हें बिना फीस के ही सभी औपचारिकता पूरी करने पर लाइसेंस-रजिस्ट्रेशन जारी कर दिया जाएगा।

इस संबंध में हाल ही में फूड सैफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) द्वारा आदेश जारी करते हुए देश की सभी आंगनवाड़ियों को खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य व्यवसायों का लाइसेंस और पंजीकरण) विनियम, 2011 के तहत पंजीकरण शुल्क माफ कर दिया गया है। आंगनवाड़ियों द्वारा गर्भवती महिलाओं और बच्चों को पोषण आहार प्रदान किया जाता है। नियमानुसार खाने-पीने की चीजें रखने और वितरित किए जाने के कारण सभी आंगनवाड़ियों को फूड रजिस्ट्रेशन-लाइसेंस लेना अनिवार्य होता है। इसके लिए उन्हें सालाना या पांच साल की एकमुश्त फीस, जो 100 रुपए प्रतिवर्ष होती है, चुकाना पड़ती है। लंबे समय से यह मांग उठाई जा रही थी कि आंगनवाड़ियां गरीब वर्ग के बच्चों और महिलाओं को मुफ्त में पोषण आहार प्रदान करने के लिए शासन के नियमों के तहत काम करती हैं, इसलिए उन्हें इस शुल्क से मुक्त किया जाना चाहिए। इसी आधार पर एफएसएसएआई ने आदेश जारी करते हुए सभी आंगनवाड़ियों को रजिस्ट्रेशन-लाइसेंस की अनिवार्यता को बरकरार रखते हुए इसके लिए चुकाई जाने वाली फीस से मुक्त कर दिया है।

पहले हाकर्स के लिए माफ की थी फीस

इससे पहले 28 सितंबर 2024 को एफएसएसएआई ने खाद्य सुरक्षा और मानक (खाद्य व्यवसायों का लाइसेंस और पंजीकरण) विनियम, 2011 के अंतर्गत सड़क पर खाने-पीने की चीजें बेचने वाले छोटे व्यापारियों के लिए यह फीस माफ की थी। इसका मकसद भी सड़कों पर खाने-पीने की चीजें बेचने वाले छोटे व्यापारियों को प्रोत्साहन देना था। इसके बाद अब आंगनवाड़ियों को भी इस फीस से मुक्त कर दिया गया है।

हाईकोर्ट ने कलेक्टरों से छीना सजा से पहले वाहन राजसात करने का अधिकार

आबकारी अधिनियम की धारा 47 असंवैधानिक घोषित

भोपाल। मप्र हाईकोर्ट की फुल बेंच ने कलेक्टर के उस आदेश को विलोपित करते हुए असंवैधानिक घोषित कर दिया है, जिसमें अभी तक अपराध में शामिल वाहन को राजसात करने का अधिकार कलेक्टर के पास हुआ करता था। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस सुरेश कुमार कैत, जस्टिस सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी और जस्टिस विवेक जैन ने आबकारी अधिनियम की धारा को असंवैधानिक करार दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि वाहन को राजसात करने का अधिकार अब जिले के कलेक्टर को नहीं बल्कि संबंधित ट्रायल कोर्ट को होगा।

दरअसल, सागर निवासी राजेश विश्वकर्मा और तेंदूखेड़ा निवासी रामलाल झारिया की ओर से यह याचिका हाईकोर्ट में दायर की गई थी, जिस पर सुनवाई करते हुए यह फैसला सुनाया गया है। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया कि आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 47 के तहत वाहन को राजसात करने का अधिकार कलेक्टर को है। एक्साइज एक्ट की धारा 47 की संवैधानिकता को उच्च न्यायालय में चैलेंज किया था। चीफ जस्टिस सहित दो अन्य जस्टिस की विशेष पीठ ने मामले की सुनवाई की। फुल बेंच ने एक्साइज एक्ट की धारा 47 को असंवैधानिक घोषित किया है। कलेक्टर क्रिमिनल ट्रायल होने के पहले ही उन वाहनों को राजसात कर लेते थे, जो एक्साइज एक्ट के तहत अवैध शराब ले जाते समय जब्त होते थे। तीन जजों की विशेष पीठ ने यह निर्णय दिया है कि कलेक्टर को आपराधिक प्रकरण में सजा दिए जाने से पहले, जब्त हुए वाहन को राजसात करने का अधिकार नहीं है। धारा 47 में दिया गया अधिकार असंवैधानिक है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा है कि सजा दिए जाने के बाद ही वाहन को राजसात किया जा सकता है, इससे पहले की गई कार्रवाई असंवैधानिक होगी।

संपादकीय

मनुष्य जन्म जीवन जीने के लिए, मृत्यु के लिए नहीं : पोप

कैथोलिक ईसाइयों के सबसे बड़े धर्मगुरु पोप फ्रांसिस का 88 वर्ष की उम्र में सोमवार को निधन हो गया है। पोप फ्रांसिस ने एक धर्म गुरु के रूप में सारी दुनिया को मानव जाति के लिए, बिना किसी भेदभाव के जीवन का उद्देश्य और जीवन जीने का तरीका बताया है। वह वर्तमान समय में सभी के लिए प्रेरणादायक है। फ्रांसिस पोप का कहना था मनुष्य जन्म, जीवन जीने के लिए होता है। जन्म और मृत्यु सत्य है। जीवन जीने के लिए मिलता है। इसका उपयोग सभी को करना चाहिए। 1300 वर्षों के इतिहास में वह पहले गैर यूरोपीय पोप बने। अर्जेंटीना में उनका जन्म हुआ था, मां-बाप अप्रवासी के रूप में इटली लेकर आए थे। पादरी बनने के पहले वह एक क्लब में बाउंसर के रूप में काम करते थे। उन्होंने अपने जीवन काल में एक केमिकल लेब में भी काम किया। अर्जेंटीना के एक कॉलेज में साहित्य और मनोविज्ञान के शिक्षक के रूप में भी काम किया। 21 साल की उम्र में वह जेसुइट समुदाय में शामिल हुए, बाद में उन्हें ब्यून आर्यस मे पादरी बनाया गया। 2001 में उन्हें पोप जान पॉल द्वितीय के रूप में कार्डिनल पद की जिम्मेदारी दी गई। 2013 में वह 266 वें पोप के रूप में नियुक्त हुए। पोप के पद में निर्वाचित होने के बाद उन्होंने पोप के लिए बने भव्य पैलेस में रहना स्वीकार नहीं किया। उन्होंने एक साधारण गेस्ट हाउस को अपना निवास स्थल बनाया। शक्ति की प्रतीक सोने की अंगूठी के स्थान पर उन्होंने चांदी की अंगूठी पहनी। आर्क बिशप के पद पर होने के बाद भी उन्होंने कभी भी महंगी कारों में बैठना स्वीकार नहीं किया। वह पब्लिक बस और मेट्रो में सफर करना पसंद करते थे। आम जनता और गरीबों से जुड़े रहकर, उन्होंने सम्पूर्ण मानव जाति को बेहतर संदेश देने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। परंपरा के अनुसार ईस्टर के पहले पोप गरीबों के पैर धोते हैं। 2024 में पोप ने रोम की जेल में सजायाफ्ता महिलाओं के पैर धोकर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। पोप गरीबों के बीच सहज व्यवहार और दरियादिली के कारण भगवान के रूप में पूजे जाते थे। गरीबों के मन में उनके प्रति अगाध श्रद्धा थी। पोप रात में सड़कों पर निकालकर गरीबों को दान देते थे, उनकी हर संभव मदद करते थे। अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के विचारों से पोप फ्रांसिस कभी सहमत नहीं रहे। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दीवार बनाने की योजना को पोप ने नकार दिया था। पोप ने ट्रंप को समझाया था, दीवारें बनाने वाले खुद दीवार के अंदर कैदी बन जाते हैं। इसका मतलब आसानी से समझा जा सकता है। मानव जाति के बीच में दीवार खड़ा करना प्रकृति के विपरीत है। उन्होंने मानव जाति को एक दूसरे से अलग रखने को प्रकिृति एवं धर्म के विपरीत बताया था। मनुष्य को किसी सीमा में बांधने को वह धर्म के विपरीत मानते थे। इससे समझा जा सकता है, पोप फ्रांसिस का सारी दुनिया के लिए क्या महत्व था। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बाइडेन के लड़के का 2015 में निधन हो गया था। पूर्व राष्ट्रपति जो वाईडेन पोप का बहुत सम्मान करते थे। दोनों के बीच 90 मिनट तक बातचीत हुई, जो अभी तक पोप के साथ लंबी बातचीत के रूप में जानी जाती हैं। एक धर्म गुरु के रूप में उन्होंने मनुष्य जीवन के यथार्थ को समझाते हुए कहा था, मानव जन्म स्वयं और दूसरों के जीवन के लिए है। मृत्यु एक यथार्थ सत्य है। मनुष्य के रूप में हमें जीवन जीने के लिए काम करना चाहिए। उन्होंने ईसाई धर्म को किसी सीमा में बांधने का प्रयास नहीं किया। मानव जीवन का सही उद्देश्य समझाने में उन्होंने पोप के रूप में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने संपूर्ण मानव जाति एवं जीव कल्याण की दशा में अपना जीवन समर्पित किया है। ऐसे बिरले पुरुषों का जन्म एक बड़े उद्देश्य के लिए होता है। उन्होंने अपना पूरा जीवन मानव सेवा के उत्थान के समर्पित किया है। इसकी जितनी भी सराहना की जाए, कम है। वेटिकन सिटी के सेंट पीटर्स बेसिलिका चर्च मे पोप का शव रखा है। वहां 9 दिन का शोक घोषित किया गया है। रोजाना हजारों लोग वहां पहुंचकर अंतिम दर्शन कर उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुछ दिनों पहले पोप से मुलाकात हुई थी। भारत ने भी 3 दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। पोप के रूप में फ्रांसिस मानव कल्याण के रूप में जो काम किया है। वह असाधारण है। उन्होंने परंपराओं को तोड़ते हुए मानव जीवन के लिए सार्थक संदेश दुनिया को देने का काम किया है।

– सनत जैन

पुस्तकें कल्पवृक्ष भी हैं और कामधेनु भी

विश्व पुस्तक दिवस पर विशेष

ललित गर्ग

विश्व पुस्तक दिवस जिसे विश्व पुस्तक कॉपीराइट दिवस भी कहा जाता है, पुस्तक-संस्कृति को बल देने और पढ़ने की प्रवृत्ति के आनंद को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाने वाला एक विश्व उत्सव है। हर साल 23 अप्रैल को दुनिया भर में पुस्तकों के दायरे को पहचानने, उसे प्रोत्साहन देने एवं दुनिया को जोड़ने के लिए पुस्तक उत्सव अतीत और भविष्य के बीच एक कड़ी, पीढ़ियों और संस्कृतियों के बीच एक पुल है। इस अवसर पर, यूनेस्को और पुस्तक उद्योग के तीन प्रमुख क्षेत्रों - प्रकाशक, पुस्तक विक्रेता और पुस्तकालयों का प्रतिनिधित्व करने वाले अंतर्राष्ट्रीय संगठन, अपने स्वयं के प्रयासों के माध्यम से, दिवस के उत्सवों की प्रेरणा को बनाए रखने के लिए एक वर्ष के लिए विश्व पुस्तक राजधानी का चयन करते हैं। किताबें, अपने सभी रूपों में, हमें सीखने और खुद को सशक्त रखने का मौका देती हैं। वे हमारा मनोरंजन भी करती हैं और हमें दुनिया को समझने में मदद करती हैं, साथ ही दूसरों की दुनिया में झांकने का मौका भी देती हैं। इस दिवस की 2025 की थीम है 'अपने तरीके से पढ़ें', यह थीम सभी आयु वर्ग के लोगों विशेषतः बच्चों को अपनी रुचि के अनुसार किताबें चुनने और पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करती है। इसका उद्देश्य बच्चों को पढ़ने में आनंद आने का अनुभव कराना और उनकी पढ़ने की आदत को मजबूत बनाना है।

23 अप्रैल विश्व साहित्य में एक प्रतीकात्मक तिथि है। इस दिन कई विश्वप्रसिद्ध लेखकों का जन्मदिवस या पुण्यतिथि होती है। विलियम शेक्सपियर, मिगुएल डे सर्वेंट्स और जोसेप प्लाया का इसी दिन निधन हुआ था, जबकि मैनुएल मेजिया वल्लेजो और मौरिस ड्रून इसी दिन पैदा हुए थे। यूनेस्कों ने 23 अप्रैल 1995 को इस दिवस को मनाने की शुरुआत की थी। पैरिस में यूनेस्को की एक आमसभा में फैसला लिया गया था कि दुनियाभर के लेखकों का सम्मान करने, उनको श्रद्धांजली देने और किताबों के प्रति रुचि जागृत करने के लिए इस दिवस को मनाया जाएगा। पुस्तकों को ज्ञान का बाग भी कहा जाता है। यदि कोई इन पुस्तकों से सच्ची दोस्ती कर ले तो यकीन मानिए उसे जीवन भर का ज्ञान और हर समस्या का समाधान कुछ ही समय में मिल जाता है। समस्याओं एवं परेशानी के दौर में पुस्तक दोस्ती का पूरा फर्ज निभाती हैं। पुस्तक का महत्व सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक है, किसी भी युग या आंधी में उसका महत्व कम नहीं हो सकता, इंटरनेट जैसी अनेक आंधियां आयेगी, लेकिन पुस्तक संस्कृति हर आंधी में अपनी उपयोगिता एवं प्रासंगिकता को बनाये रख सकेगी। क्योंकि पुस्तकें पढ़ने का कोई एक लाभ नहीं होता। पुस्तकें मानसिक रूप से मजबूत बनाती हैं तथा सोचने समझने के दायरे को बढ़ाती हैं। किताबों का अस्तित्व खत्म नहीं हो सकता। आधुनिकता की बात करें तो भी यह बात हर वक्त संभव नहीं कि किताबों के स्थान पर लैपटॉप आदि से पढ़ा जाए।

पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं। पुस्तकें ज्ञान का भण्डार हैं। पुस्तकें हमारी दुष्टवृत्तियों से सुरक्षा करती हैं और सकारात्मक सोच को निर्मित करती है। अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं। पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं। महात्मा गाँधी को महान बनाने में गीता, टालस्टाय और थोरो का भरपूर योगदान था। प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी को विश्व ख्याति दिलाने में पुस्तकों की महत्वपूर्ण भूमिका है, यही कारण है कि उन्होंने पुस्तक संस्कृति को जीवंत करने का अभिनव उपक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम में अनेक बार किया। पुस्तकों में जीवन का रहस्यमय एवं रोमांचक संसार है। इसलिये पुस्तक संस्कृति को प्रोत्साहन देकर ही हम उन्नत संस्कार, संसार एवं सृष्टि का निर्माण कर सकेंगे। किताबों में ही किताबों के बारे में जो लिखा है वह भी बहुत उल्लेखनीय और विचारोत्तेजक है। मसलन टोनी मोरिसन ने लिखा है- 'कोई ऐसी पुस्तक जो आप दिल से पढ़ना चाहते हैं, लेकिन जो लिखी न गई हो, तो आपको चाहिए कि आप ही इसे जरूर लिखें।' शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तकें मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। निःसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने, मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। नरेन्द्र मोदी प्रयोगधर्मा एवं सृजनकर्मा राजनायक हैं, तभी उन्होंने उपहार में 'बुके नहीं बुक' यानी किताब देने की बात कही। सत्साहित्य में तोप, टैंक और एटम से भी कई गुणा अधिक ताकत होती है। अणुअस्त्र की शक्ति का उपयोग ध्वंसात्मक ही होता है, पर सत्साहित्य मानव-मूल्यों में आस्था पैदा करके स्वस्थ एवं शांतिपूर्ण समाज की संरचना करती है। इसी से सकारात्मक परिवर्तन होता है जो सत्ता एवं कानून से होने वाले परिवर्तन से अधिक स्थायी होता है।

फ़ैशन : फटी जींस मक़सद और संदेश ?

निर्मल रानी

वैसे तो विश्व में तरह तरह के फ़ैशन प्रचलित हैं। अनेक फ़ैशन लोगों के शरीर व व्यक्तित्व पर भाते भी हैं। किसी को किसी का फ़ैशन अच्छा लगे या बुरा परन्तु किसी भी फ़ैशन को अपनाने वाले का निजी मामला व उसका अधिकार समझते हुये कोई अन्य व्यक्ति न तो कुछ बोलता टोकता है न ही आपत्ति करता है। और करना भी नहीं चाहिये। परन्तु कुछ फ़ैशन ऐसे भी हैं जिन्हें देखकर आम आदमी आश्चर्यचकित व विचलित ज़रूर हो जाता है। हालांकि ऐसा फ़ैशन करने वालों को इस बात से कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि दूसरे उसके इस फ़ैशन के बारे में क्या सोच रहे हैं।

न ही उसे इस बात की चिंता रहती है कि उसके शरीर पर वह फ़ैशन कैसा लग रहा है। उसका मक़सद तो बस फ़िल्मी हीरो हीरोइन की ड्रेसेज़ की नक़ल कर व ट्रेंड कर रहे फ़ैशन की मुख्य धारा में शामिल होकर स्वयं को फ़ैशनेबल साबित करना मात्र है। ऐसा ही एक अजीबो ग़रीब फ़ैशन गत लगभग दो दशक से भारत ही नहीं बल्कि लगभग पूरी दुनिया में वायरल फ़ैशन की तरह पैर पसार चुका है। और वह है फटी जीन अथवा रिप्ड जीन का फ़ैशन। चूँकि 1970 से पहले जींस मंहगी हुआ करती थी और ग़रीब लोग नई जीन न ख़रीद पाने के चलते मजबूरीवश फटी जीन पहना करते थे। उस ज़माने में फटी जींस पहनना ग़रीब होने की निशानी होती थी। और 1970 के दशक में ही फटी जींस का चलन हॉलीवुड सिनेमा से प्रारंभ हो गया था जो भारत में वालीवुड के माध्यम से बाद में आया। परन्तु गत दो दशक से तो इस फ़ैशन ने युवाओं व युवतियों के बीच कुछ ज़्यादा ही ज़ोर पकड़ लिया है। नई जीन की पैंट को हाथों या लेजर के मदद से इसे फेंट फेंट कर फाड़ा जाता है। इस क्रिया के बाद फटी हुई जीन और भी महंगी हो जाती है। फटी या रिप्ड जीन स्किन फ़िट , स्लिम फ़िट , टेपर्ड, रेगुलर फ़िट , और रिलैक्स्ड फ़िट आदि मॉडल की पैंट्स में उपलब्ध होती है। इन्हीं डेनिम में एक एक्सट्रीम कट हाई रेज़ जींस भी होती है जिसका आगे व पीछे दोनों ओर का 80-90 प्रतिशत भाग ग़ायब होता है। यह सबसे मंहगी अर्थात ब्रांड के अनुसार 30-40 व 50 हज़ार रूपये तक भी मिलती है। कुछ लोग ऐसी जीन पहन कर अपने आप को एक अनोखा लुक देना चाहते हैं। इस फ़ैशन का क़द्रदानों के अनुसार यह उन्हें एक अनूठा और स्टाइलिश लुक देती है। जबकि समाज का एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो ऐसे फ़ैशन को अनुचित व बेहूदा समझता है। बड़े आश्चर्य की बात है कि इस यह अजीबो ग़रीब पहनावा फ़ैशन कैसे बन गया और बना भी तो यह फ़ैशन ट्रेंड कैसे कर गया ? सच पूछिये तो फटी जीन धारण करने वाला इसे पहनने के सिवा स्वयं ही इस अनर्गल फ़ैशन की तार्किकता इसके मक़सद और संदेश के बारे में नहीं जानता ?

सुविचार

धन बर्बाद करके आप निर्धन होते है लेकिन समय बर्बाद करके आप अपना जीवन नष्ट करते है। – **अज्ञात**

जब आप दो बुराइयों में से छोटी बुराई को चुनते है, तो याद रखें कि वह अभी एक बुराई ही है। – **मैक्स लर्नर**

प्रसंग

पुरस्कार

पुराने जमाने में एक राजा था । उसे सुंदर इमारतें बनवाने का शौक था । उसने दूर-दूर से कुशल शिल्पियों को अपने राज्य में बुला रखा था ताकि वे राज्य में और सुंदर-सुंदर इमारतों व विशाल प्रासादों और भवनों का निर्माण कर सकें । राजा शिल्पियों का आदर भी करता था और उन्हें उचित पारिश्रमिक के अलावा पुरस्कार भी देता था । इन्हीं शिल्पियों में एक अत्यंत अनुभवी शिल्पी भी था जो अब वृद्ध हो गया था । उसने वर्षों तक राज्य की सेवा करते हुए अनेक उत्कृष्ट भवनों का निर्माण किया था । एक दिन वृद्ध शिल्पी ने राजा से कहा, महाराज मैंने जीवन भर राज्य की सेवा की है लेकिन अब मैं वृद्ध हो गया हूं इसलिए मुझे राज्य की सेवा से मुक्त करने की कृपा करें । राजा ने वृद्ध शिल्पी की बात बड़े ध्यानपूर्वक सुनी और उससे कहा, महान शिल्पी आपकी सेवाओं के लिए मैं ही नहीं, पूरा राज्य आपका कृतज्ञ है। आपको सेवानिवृत्त होने का पूरा अधिकार है लेकिन मेरी ख्वाहिश है कि सेवानिवृत्ति से पहले आप मेरे लिए एक भवन और बनाओ जो आज तक बने सभी भवनों से श्रेष्ठ व उत्कृष्ट हो । शिल्पी राजा की ख्वाहिश को कैसे टाल सकता था ! वह भवन बनाने में जुट गया लेकिन बेमन से उसने उस श्रेष्ठता व उत्कृष्टता का परिचय नहीं दिया जिसकी उससे अपेक्षा थी । बस किसी तरह भवन पूरा कर दिया और राजा से पुनः सेवामुक्ति की प्रार्थना की । राजा ने कहा, मैं आपकी कला से अत्यंत प्रभावित हूं और इसीलिए मैंने आपसे इस उत्कृष्ट भवन का निर्माण करवाया है ताकि आपको पुरस्कार स्वरूप यह भवन दे सकूं।

राज काज

फ्री में, पतंजलि के शरबत का करोड़ों का विज्ञापन ?

बाबा रामदेव से बड़ा व्यापारी आज सारी दुनिया के देशों में और कोई नहीं है। बाबा जिस दिलेरी के साथ पतंजलि के उत्पाद को बेचने के लिए ऐसा कुछ कर देते हैं। जो लोगों को बाद में समझ में आता है। बाबा का जितना विरोध होता है। उतना ही उनके उत्पाद का प्रचार हो जाता है। बाबा ने पतंजलि का शरबत बेचने के लिए एक अन्य उत्पाद को मस्जिद और मदरसे से क्या जोड़ा, पतंजलि के शरबत का देश और दुनिया में फ्री में प्रचार हो गया। पत्रकार और राजनीतिक दल भी उस प्रचार में शामिल हो गए। बाबा रामदेव खाटी बनिया है। यदि कोई उल्टा मामला पड़ा, तो माफी भी मांग लेंगे। उन्होंने रूह अफजा का नाम नहीं लिया था। लेकिन रूह अफजा के पैरलल उनका शरबत बाजार में बिकने लगा है।

राहुल गांधी और कांग्रेस ने मोदी शाह की चिंता बढ़ाई

पिछले 4 महीने से राहुल गांधी बड़ी आ ामक मुद्रा में सरकार और भाजपा पर हमले कर रहे हैं। संसद सत्र के दौरान जिस तरह से इंडिया गठबंधन ने एक जुटता का प्रदर्शन किया है। उससे सरकार की चिंता बढ़ गई है। वक्फ बिल पास होने के बाद जिस तरह से इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल एवं मुस्लिम संगठन जगह-जगह प्रदर्शन कर रहे हैं। मुस्लिम और दलित की नई राजनीति की बिसात बिछाई जा रही है। उसको देखते हुए एक बार फिर ईडी को सि य किया गया है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कांग्रेस को निष्ि य करने के लिए ईडी को फिर से लगा दिया गया है। राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष के रूप में पहली बार अमेरिका जा रहे हैं। अमेरिका में ईडी की कार्यवाही उनके साथ परछाई की तरह चलेगी।

हाँका लगाकर, ममता बनर्जी का शिकार करना चाहती है भाजपा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का शिकार करने, भाजपा ने पुराने शिकारियों की तरह ममता बनर्जी को घेरने के लिए हाँका की रणनीति अपनाई है। ढोल ढमाके के साथ शिकारी हथियारों के साथ शिकार को उस स्थान पर ले जाते थे जहां उसका आसानी से शिकार हो जाए। ममता बनर्जी का शिकार करने के लिए गृह मंत्रालय के सुरक्षा बल, राज्यपाल, भाजपा संगठन, हाईकोर्ट, महिला आयोग और मीडिया द्वारा पहले ममता बनर्जी को घेरने की कोशिश होती है। जहां आसानी से शिकारी अपने शिकार कोई या तो जिंदा पकड़ ले, या हथियारों के बल पर उसका शिकार कर ले। मुर्शिदाबाद में वक्फ बिल कानून के बहाने ममता बनर्जी को घेरने का काम चल रहा है। बाहर से आदमियों को बुलाकर वहां दंगा कराया गया है। पुलिस जांच में ऐसे लोग मिले हैं। जिन्हें बंगाली भाषा नहीं आती है। इस खुलासे के बाद ममता बनर्जी ने भी बजाये भागने के मुकाबला करने की रणनीति अपना ली है। अब देखना यह है, पश्चिम बंगाल की इस लड़ाई में ममता बनर्जी शिकारियों से बच पाती हैं। या उनका शिकार बन जाती हैं।

जरा हटके

सिर्फ 10 लाख सूर्यों के द्रव्यमान वाले हेलो भी तारे पैदा करने में नाकाम

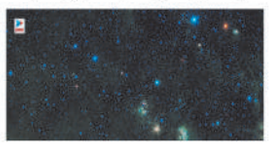

वॉशिंगटन (ईएमएस)। हम जानते हैं कि गैलेक्सीज डार्क मैटर के गुरुत्वाकर्षणीय कुएं में जन्म लेती हैं, लेकिन कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी के एस्ट्रोफिजिसिस्ट ईथान नैडलर ने एक चौंकाने वाली खोज की है। उनके मुताबिक, कुछ डार्क मैटर हेलो इतने हल्के होते हैं कि वे तारे पैदा ही नहीं कर पाते। यानी, ये ऐसे खोखले गोले हैं जिनके भीतर कोई गैलेक्सी नहीं है। पहले वैज्ञानिकों का मानना था कि सिर्फ 10 करोड़ से 1 अरब सूर्यों के द्रव्यमान वाले डार्क मैटर हेलो ही तारे नहीं बना सकते। लेकिन नैडलर ने पाया कि सिर्फ 10 लाख सूर्यों के द्रव्यमान वाले हेलो भी तारे पैदा करने में नाकाम रहते हैं। यह खोज बताती है कि ऐसे 'डार्क' हेलो पहले के अनुमान से कहीं ज्यादा संख्या में मौजूद हो सकते हैं। चूंकि ये हेलो पूरी तरह अदृश्य हैं, इसलिए वैज्ञानिक उन्हें गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग के जरिए खोजने की कोशिश कर रहे हैं। अल्बर्ट आइंस्टीन के सापेक्षता सिद्धांत के मुताबिक, डार्क मैटर हेलो अपने गुरुत्व से प्रकाश को मोड़ सकते हैं। जेम्स वेब स्पेस टेलीस्कोप और रूबिन ऑब्जर्वेटरी जैसे उपकरण अब ऐसे 1 करोड़ सूर्यों के द्रव्यमान वाले हेलो का पता लगाने में सक्षम हैं। यह डार्क मैटर के व्यवहार को समझने में मदद करेगी। इससे ब्रह्मांड की संरचना के बारे में हमारी समझ बदल सकती है। वैकल्पिक डार्क मैटर सिद्धांतों (जैसे वार्म या सेल्फ-इंटरेक्टिंग डार्क मैटर) की पुष्टि या खंडन करने में मदद मिलेगी नैडलर का कहना है, 'अगर ये 'डार्क' हेलो मिल जाते हैं, तो यह बड़ी सफलता होगी। लेकिन अगर नहीं मिलते, तो यह भी उतना ही दिलचस्प होगा। क्योंकि इसका मतलब होगा कि हमारे मौजूदा डार्क मैटर मॉडल गलत हैं।' अगले कुछ सालों में जेडब्ल्यूएसटी और अन्य टेलीस्कोप्स से मिलने वाले डेटा शायद इस रहस्य को सुलझाने में मदद करेंगे।

फोटो ऑफ द डे

मनीला के थेड्रल में पोप फ्रांसिस की तस्वीर के सामने मोमबत्ती जलाती हुई एक महिला। (फोटो-ईएमएस)

व्यंग्य

मनीप्लांट

–सुधीर ओखदे

पत्नी की इच्छा थी कि घर में मनीप्लांट लगाया जाए। इच्छाएँ तो उसकी अनंत थीं, जैसे बंगला बनवाया जाए, कार ख़रीदी जाए, कुत्ता रखा जाए, बच्चों को पब्लिक स्कूल में भर्ती कराया जाए, अपने बाल कटाए जाएँ, पति के बाल बढ़वाएँ जाएँ। लेकिन जानती थी कि ये सभी बातें असंभव हैं। उसका पति न मंत्री है, न संत्री। न ही प्रवचन देने वाला धर्म गुरु। फिर भला उसकी इतनी इच्छाएँ क्यों कर पूरी होंगी !

उसने एक कुत्ता रखा था। देसी नस्ल का। जो किसी को रास नहीं आया। उसे भी नहीं। चाहती थी कि विदेशी नस्ल का कुत्ता रखे। पर कुत्ते की कीमत पति की महीने भर की पगार से भी ज़्यादा होने से उसने पति रखना ही उत्तम समझा। देसी कुत्ता कहीं भी मुँह मारता था। घर छोड़ कर भाग जाता था। बाद में खुद ही पूँछ हिलाता वापस आ जाता था। पत्नी ने कहा, बिलकुल तुम पर गया है। एक ही स्वभाव के दो लोगों को घर में नहीं रख सकती।

किसी ने पत्नी को बताया कि मनीप्लांट माँग कर या ख़रीद कर नहीं, चुरा कर लगाया जाए, तो फलता-फूलता है। मैंने सोचा पैसा भी चोरी से ही फलता-फूलता है। पत्नी ने आदेश दिया कि मनीप्लांट कहीं से भी चुरा लाओ। मैंने कहा, भागवान ! यही आदत होती तो तुम्हारी अनंत इच्छाएँ पूरी नहीं कर देता। बंगला होता, कार होती, कुत्ता होता, तो मनीप्लांट भी आपने आप होता।

पत्नी बोली, मैं जानती थी कि तुम कहीं न कहीं रोड़ा ज़रूर अटकाओगे। अब चोरी करने भी क्या मैं जाऊँ? लाज-शरम तो जैसे बेच खाई है तुमने। संस्कार भी कोई चीज़ होती है। कहीं भले घर की औरतें चोरी करती हैं?

मैंने मन ही मन सोचा, ठीक कहा तुमने। औरतें खुद कहाँ कुछ करती हैं। ऐसे काम करवाने के लिए उनके पास पति नाम का बेवकूफ़ होता है न! रामायण, महाभारत से लेकर स्वतंत्र भारत तक औरतों ने कहाँ कुछ किया है!

मनीप्लांट तुम ही चुराओगे। बस ! आगे मैं कुछ नहीं जानती। उस समय वह मुझे कैकयी, मंथरा और द्रौपदी की तरह दिखाई दी। कोपभवन में उसने अपने केश बिखरा दिए थे, जो मेरे मनीप्लांट चुराने के उपरांत ही पुनः सजने वाले थे। मैंने रामखिलावन से पूछा, तुम्हें चोरी का कोई तजुर्बा है? यदि हो तो बताओ?

रामखिलावन एक पुजारी के पड़ोस में रहता था। सो उसने इनकार नहीं किया। उसने कहा, चोरी वह होती है, जो पकड़ी जाए। तुम कैसी चोरी करना चाहते हो? बिजली की चोरी, सरकारी फ़ोन से कॉल की चोरी, कर की चोरी, ऑफ़िस स्टेशनरी की चोरी, सरकारी वाहन के दुरुपयोग की चोरी या पैसे की चोरी? पैसे की सीधी चोरी को छोड़ दिया जाए, तो बाकी की चोरियाँ, चोरी की श्रेणी में नहीं आतीं।

तुम्हारे घर के सामने कार्यालय का वाहन खड़ा रहे। तुम्हारे बीबी-बच्चों को निजी कामों के लिए सरकारी वाहन की सवारी प्राप्त हो, तो समाज में तुम्हारी प्रतिष्ठा बढ़ती है। तुम कैसी चोरी करना चाहते हो? मैंने बताया कि मैं मनीप्लांट चुराना चाहता हूँ। उसने कहा, चुरा लो। कौन रोकता है तुम्हें।

मैं किसी मनीप्लांट चुराऊँ तो कोई मुझे कुछ नहीं कहेगा? व्यापारी अपने उत्पादन विज्ञापन का पैसा तुम से चुराता है तुम कुछ कहते हो उसे? नेता जातिवाद फैलाकर तुम्हारा वोट चुराता है, तब तुम कुछ कहते हो उसे? डॉक्टर ग्राहक संरक्षण नियम का हवाला दे कर जब तब तुम्हारा खून चूसता है तुम कुछ कहते हो उसे?

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है। एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है।

रोचक

एक साल पुराने चावल होते हैं सबसे अच्छे

नई दिल्ली (ईएमएस)। आयुर्वेदिक तरीके से चावल पकाने पर यह पोषक तत्वों से भरपूर और हेल्दी बनता है। हम चावल को सही तरीके से पकाकर इसके फायदे उठा सकते हैं। चावल पकाने के लिए सबसे पहले सही चावल का चयन करना जरूरी है।

आयुर्वेद के अनुसार, लगभग एक साल पुराने चावल सबसे अच्छे होते हैं, क्योंकि इनमें अधिक पोषक तत्व होते हैं। आप ब्राउन, रेड या बासमती चावल में से कोई भी चावल चुन सकते हैं, जो आपके स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त हो। इसके बाद, चावल को कम से कम आधे घंटे और अधिकतम एक घंटे तक भिगोना चाहिए। भिगोने से चावल के एंजाइम्स और न्यूट्रिएंट्स सक्रिय हो जाते हैं, जिससे पकाने में आसानी होती है और यह डाइजेस्ट भी जल्दी हो जाता है। चावल को ज्यादा पानी में पकाना भी एक महत्वपूर्ण तरीका है। आयुर्वेद के अनुसार, चावल को ज्यादा पानी में पकाने से उसके स्टार्च और हैवीनेस बाहर निकल जाते हैं, जिससे यह पचने में आसान हो जाता है। पकने के बाद एक्स्ट्रा पानी को निकाल देने से चावल हल्का और पोषक तत्वों से भरपूर रहता है। यह तरीका खासकर उन लोगों के लिए फायदेमंद है, जिन्हें कफ और टॉक्सिसिटी की समस्या होती है। आयुर्वेद में प्रेशर कुकर का उपयोग न करने की सलाह दी जाती है, क्योंकि प्रेशर कुकिंग से भोजन की ऊर्जा और प्राण खत्म हो जाते हैं।

पहलगाम हमले पर संवेदनाओं के बीच पाकिस्तान ने भारत पर लगाया आरोप

कहा- भारत में ही कई विद्रोही संगठन जो नीतियों की वजह से उठा रहे हथियार

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में अब तक 28 पर्यटकों की मौत हो चुकी है, लेकिन दुनिया भर से संवेदना और समर्थन मिलने के बीच पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक बार फिर पाकिस्तानी नेतृत्व की पुरानी आदत को उजागर किया है। ख्वाजा आसिफ ने दावा किया है कि पहलगाम हमले से पाकिस्तान का कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन इसके तुरंत बाद उन्होंने भारत में गृह विद्रोह, अल्पसंख्यकों पर अत्याचार, और दिल्ली की हिंदुत्व हुकूमत का राग अलापते हुए भारत पर तीखा हमला बोला।आसिफ का कहना था कि भारत के अंदर ही कई विद्रोही संगठन हैं। नागालैंड से मणिपुर तक। वहां खुद की नीतियों की वजह से लोग हथियार उठा रहे हैं। पाकिस्तान पर इल्जाम लगाना आसान है। उन्होंने आगे कहा कि भारत की सरकार अल्पसंख्यकों खासतौर से मुसलमान, ईसाइयों, बौद्धों का शोषण कर रही है और जो बगावत है, वह उसी का परिणाम है। इस बयान को भारत ने एक भटकाने की कोशिश और आतंक को वैचारिक आधार देने की चाल बताया है।इस बीच भारतीय सुरक्षा एजेंसियों ने साफ कहा है कि इस हमले की जिम्मेदारी द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने ली है, जो पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है। जनवरी 2023 में भारत ने टीआरएफ को आतंकवादी संगठन घोषित किया था और इसका सीधा लिंक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से होने के प्रमाण मौजूद हैं। ख्वाजा आसिफ ने जवाबी हमला करते हुए आरोप लगाया कि बलूचिस्तान में भारत की गतिविधियां संदिग्ध हैं, लेकिन यह बयान अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की छवि सुधारने की कोशिश से ज्यादा एक बचाव की मुद्रा मानी जा रही है। भारत के विदेश मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक पाकिस्तान का यह रवैया कोई नया नहीं है। हर आतंकी हमले के बाद वह एक ही स्क्रिप्ट दोहराता है- पहले इनकार, फिर भारत पर आरोप और आखिर में मुस्लिम उत्पीड़न की बात करके ध्यान भटकाने की कोशिश।

जकार्ता में दिवंगत पोप फांसिस को श्रद्धांजलि देते हुए एक व्यक्ति।

पहलगाम हमला : अरब देशों ने की आतंकी हमले की कड़ी निंदा, भारत के साथ खड़े होने की कही बात

आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक एकजुटता की जरूरत पर दिया जोर

अबू धाबी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले ने न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी कड़े प्रतिरोध और संवेदनाएं सामने आई हैं। 28 बेगुनाह पर्यटकों की हत्या के बाद खाड़ी देशों सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और ईरान, इराक आदि ने इस हमले की तीखी निंदा की है और आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने की बात कही है।

सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पीएम मोदी के साथ बातचीत में पहलगाम हमले को नृशंस और कायराना बताया है। उन्होंने मारे गए

लोगों के प्रति गहरी संवेदना जताई और भारत के साथ मिलकर आतंकवाद से लड़ने के संकल्प दोहराया। इस मुद्दे पर दोनों नेताओं की बातचीत मोदी के सऊदी दौरे के दौरान हुई थी, जिसे हमले की गंभीरता के चलते पीएम मोदी ने दौरा रद्द कर वापस भारत लौट आए।

भारत के रणनीतिक सहयोगी संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भी इस हमले की कड़ी निंदा की है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों को निशाना बनाए गए आतंकी हमले की घोर निंदा करता है। यह एक अमानवीय और घिनौना कृत्य है। बयान में आतंक के खिलाफ वैश्विक एकजुटता की जरूरत पर भी जोर दिया गया। वहीं ईरान, जो क्षेत्रीय स्तर पर एक प्रभावशाली देश है, उसने भी इस हमले को क्रूर करार देते हुए भारत के प्रति गहरी सहानुभूति जताई है।

नई दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास ने लिखा- हम पहलगाम में हुए इस बर्बर हमले की निंदा करते हैं। पीड़ितों के परिजनों के प्रति हमारी संवेदनाएं हैं और हम घायलों के जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। सऊदी अरब, यूएई और ईरान ने अपने बयानों में पाकिस्तान का नाम नहीं लिया लेकिन आतंकवाद के खिलाफ पूर्ण सहयोग, संयुक्त संघर्ष और दोषियों को सजा जैसे शब्दों के इस्तेमाल को विशेष पाकिस्तान के लिए एक स्पष्ट संदेश मान रहे हैं।

चीन ने अमेरिका को दिया बड़ा झटका 86 प्रतिशत रोक दिया निर्यात

बीजिंग। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 245 फीसदी का टैरिफ लगाए जाने के बाद चीन ने पहले अमेरिकी बोइंग विमानों को खरीदने से इनकार कर दिया था और अब उसने अमेरिका को दुर्लभ खनिजों की सप्लाई रोक दी है। सीमा शुल्क के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले दुर्लभ खनिजों की सभी सप्लाई करीब-करीब रोक दी गई है। आंकड़ों से पता चलता है कि मार्च में चीन ने अमेरिका को निर्यात होने वाले एक अन्य खनिज पदार्थ इटट्रियम की सप्लाई में 86 फीसदी की कटौती की है। इसी तरह स्कैंडियम के निर्यात में दो तिहाई की कटौती की गई है। बता दें कि चीन टंगस्टन के कुल वैश्विक उत्पादन में 83 फीसदी, बिसमथ में 81 फीसदी, टेल्यूरियम में 75 फीसदी, इंडियम में 70 फीसदी और मोलिब्डेनम में 42 फीसदी की हिस्सेदारी रखता है। इन खनिज तत्वों का इस्तेमाल एयरोस्पेस और डिफेंस सेक्टर में होता है। इन खनिजों के निर्यात पर बैन और सप्लाई में आई बड़ी कमी से अमेरिका का न केवल सोलर पैनल और थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों का निर्माण करने वाली कंपनियां और इंडस्ट्री दबाव में हैं बल्कि स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनियों से लेकर अत्याधुनिक सैन्य उपकरण बनाने वाली कंपनियां भी परेशान हैं। दरअसल, इन कंपनियों और निर्माण उद्योग में इस्तेमाल होने वाली दुर्लभ खनिजों के भंडार और शोधन एवं प्रसंस्करण पर चीन का एकाधिकार है। इसीलिए चीन ने अमेरिका को जबाव देने के लिए सबसे पहले इन खनिजों की सप्लाई पर ब्रेक लगाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन ने सोलर पैनल और थर्मोइलेक्ट्रिक उपकरणों के निर्माण में इस्तेमाल में बड़े पैमाने पर उपयोग की जाने वाली धातु टेल्यूरियम के निर्यात में करीब 44 प्रतिशत की गिरावट आई है।

पुतिन ने माना पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर नहीं करेंगे हमले

मास्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से उस प्रस्ताव पर बातचीत करने पर सहमति जताई है, जिसमे कहा गया था कि दोनों ही देश एक दूसरे के पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर पर हमले नहीं करेंगे। सार्वजनिक क्षेत्रों व रिहायसी इलाकों में हमले रोकने की बात पर राजी होते पुतिन ने आगे और भी बातचीत के लिए रास्ते खुले होने की बात कही है। क्रेमलिन प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव का कहना था कि यह वाकई एक जटिल मसला है, जिस पर राष्ट्रपति पुतिन बातचीत करने के लिए तैयार हैं। यह अलग बात है कि पेस्कोव यह भी बताते हैं कि फिलहाल रूस और यूक्रेन के बीच किसी तरह की कोई बातचीत के लिए कोई ठोस योजना बनाई नहीं गई है। ऐसे में हमले कब और कैसे होंगे या नहीं होंगे इस पर शंका बरकरार है।

आज का इतिहास 24 अप्रैल

1743 आविष्कारक एडमंड कार्टराइट का जन्म हुआ.
1858 प्रसिद्ध क्रांतिकारी कुंवरसिंह की मृत्यु हुई.
1972 प्रसिद्ध चित्रकार जामिनी राय का निधन हुआ.
1974 हिन्दी के जाने माने कवि रामधारी सिंह दिनकर का निधन हुआ.
1986 लंदन में बम विस्फोट में ब्रिटिश एयरवेज कार्यालय और कई इमारतें नष्ट हो गई.
1989 मुस्लिम विद्रोहियों ने जलालाबाद शहर में गोलीबारी की, जिससे 54 व्यक्ति मारे गये.
1991 दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने राजनीतिक बंदियों की रिहाई के लिए अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस से किए गए समझौते का सम्मान करने की घोषणा की.
1992 ओपोक ने ईरान के अधिक तेल उत्पादन का आग्रह ठुकरा दिया.
1993 इंडियन एयरलाइंस विमान के अपहर्ता को कमांडो दस्ते ने मारकर 141 यात्रियों को मुक्त करा लिया.
2004 भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 117 अरब डॉलर का हुआ.

प्रसंगतः विश्वास

एक संत अपने शिष्यों के साथ नाव से नदी पार कर रहे थे। अचानक तेज हवाएं बहने लगीं और नदी में पानी उछलने लगा। संत की नाव के साथ जो नावें चल रही थीं, वे बुरी तरह थरथराने लगीं। कुछ ही क्षणों में लहरों का पानी नाव के भीतर आने लगा। शिष्य बुरी तरह डरने लगे। नाव के एक कोने में एक शिष्य बेफिक्र सोया था। उसके साथियों ने उसे झकझोर कर जगाया। उसने पूछा, 'क्या बात है, मुझे किस कारण से जगाया है?' उसके साथियों ने तूफान के बारे में उसे बताया। उस शिष्य ने बहुत शांति से चारों ओर नजरें घुमाकर देखा और कहा, 'तूफान आते ही हैं और मनुष्य का भी अंत होता ही है। इसमें ऐसी कौन सी आश्चर्यजनक बात है।' सभी साथी उसका उत्तर सुनकर सन्न रह गए। भयभीत साथियों के उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना उस शिष्य ने आंखें बंद कर लीं। उसके साथी समझ रहे थे कि उसने संकट को भली-भांति पहचाना नहीं है। इसी कारण वह स्थिति की गंभीरता को नहीं समझ पा रहा है। उधर अपनी मस्ती में खोए हुए उस शिष्य ने आंखें बंद करके दोनों हाथ ऊपर उठाकर भगवान से प्रार्थना प्रारंभ की। अन्य साथियों ने समझा कि यह अपना अंतिम समय निकट जानकर भगवान से अपनी भूलों के लिए क्षमा मांग रहा है लेकिन शिष्य ने आंखें बंद किए हुए ही कहा, 'ऐ तूफान, तुम तुरंत शांत हो जाओ ताकि हम सुरक्षित उस पार पहुंच जाएं।' तूफान तुरंत शांत हो गया। नाव का हिलना बंद हो गया। शिष्यों ने भी चैन की सांस ली। उसके साथियों ने उस शिष्य से पूछा, 'आखिर तुमने ऐसा क्या किया कि इस भयंकर तूफान को शांत कर दिया।' वह सहजता से बोला 'मित्रो, विश्वास की शक्ति असीम है। तूफान विश्वास से बड़ा नहीं हो सकता। अपने विश्वास पर सदा अडिग रहना चाहिए।'

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, वैशाख कृष्ण पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथि एकादशी, गुरुवासरे, शत भिषा/ पूर्वाभाद्र पक्ष नक्षत्रे, वृण योगे, वालवकरणे, मीन की चंद्रमा, वरुथनी एकादशी व्रत, जातकर्म, नामाकरण, लघु वृक्षारोपण, व्यापार, तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.....

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तमवृत्ति वाला, बुद्धिमान, शिक्षक-शिक्षाविद्, शिक्षाशास्त्री, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, धनी होगा।

मेष राशिः व्यापार में लाभ, कुसंग से हानि के योग, रुके कार्य पूर्ण अवश्य ही होंगे।
वृष राशिः संतान सुख, भूमि से हानि, शुभ कार्य में खर्च के योग हैं, मुकदमे में जीत होगी।
मिथुन राशिः कार्य बाधा, अल्प लाभ किन्तु व्यापार से हानि होगी तथा लॉटरी से विशेष हानि।
कर्क राशिः अधिकारियों से विवाद, कार्यबाधा, पूंजी-सम्पत्ति से लाभ होगा, कार्य अवश्य ही होगा।
सिंह राशिः अभीष्ट सिद्धी, मातृ-कष्ट तथा विवाद होगा, लाभ, विद्या में बाधा होगी।
कन्या राशिः संतान कष्ट, विद्या बाधा, परेशानी, गुरुजनों से हानि, लाभ होगा, कार्य अवश्य होगा।
तुला राशिः भूमि से हानि, वाहन सुख, शासन से लाभ होगा, समय का ध्यान रखें।
वृश्चिक राशिः शासन से लाभ, यात्रा से हानि, कार्यवृत्ति में सुधार होगा, विशेष कार्य बनेंगे।
धनु राशिः उद्योग में सफलता लेकिन नौकरी में बाधा होगी तथा खर्च अधिक होगा।
मकर राशिः शत्रु से हानि, स्त्री-संतान सुख तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी।
कुंभ राशिः विवाद, जमीन-जायजाद में बाधा किन्तु रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।
मीन राशिः व्यापार में बाधा, उदर विकार तथा प?ोसी से हानि के योग है, व्यर्थ खर्च होगा।

पीएल गौतमाचार्य // मोनिका

दैनिक पंचांग

24 अप्रैल 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मेष में	वृष	06.44 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मिथुन	08.43 बजे से
मंगल	कर्क में	कर्क	10.56 बजे से
बुध	मीन में	सिंह	13.12 बजे से
गुरु	वृष में	कन्या	15.24 बजे से
शुक्र	मीन में	तुला	17.35 बजे से
शनि	मीन में	वृश्चिक	19.49 ब.से
राहु	मीन में	धनु	22.05 बजे से
केतु	कन्या में	मकर	00.11 बजे से
राहुकाल 1.30 से 3.00 बजे तक		कुंभ	01.57 बजे से
		मीन	03.30 बजे से
		मेष	05.00 बजे से

गुरुवार 2025 वर्ष का 114 वा दिन **दिशाशूल** दक्षिण **ऋतु** ग्रीष्म। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1946 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 14.33 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 10.49 बजे को समाप्त। **योग** ब्रह्म 15.56 बजे को समाप्त। **करण** बालव 14.33 बजे तदनन्तर कौलव 01.13 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 12° 52' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872324 **जूलियन दिन** 2460789.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** सव्वाल **तारीख** 25 **विशेष** वरूथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
शुभ	05.54	से 07.22	बजे तक	अमृत	05.40	से 07.11	बजे तक
रोग	07.22	से 08.51	बजे तक	चर	07.11	से 08.43	बजे तक
उद्वेग	08.51	से 10.19	बजे तक	रोग	08.43	से 10.15	बजे तक
चर	10.19	से 11.47	बजे तक	काल	10.15	से 11.47	बजे तक
लाभ	11.47	से 01.15	बजे तक	लाभ	11.47	से 01.19	बजे तक
अमृत	01.15	से 02.43	बजे तक	उद्वेग	01.19	से 02.51	बजे तक
काल	02.43	से 04.11	बजे तक	शुभ	02.51	से 04.23	बजे तक
शुभ	04.11	से 05.40	बजे तक	अमृत	04.23	से 05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

काकुरो पहेली - 6888

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः
1 2 3 5
1 1+2+3+4+5=6=21
2 1+2+3+4+5+7=22
3 3+5+6+7+8+9=38
4 4+5+6+7+8+9=39

काकुरो - 6887 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

पाकिस्तानी एयर मार्शल जवाद सईद का कोर्ट मार्शल, एयरफोर्स में बगावत की मिली सजा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की सेना ने अपने ही एयर चीफ मार्शल का रिटायरमेंट से पहले कोर्ट मार्शल कर दिया है। एयर मार्शल जवाद सईद को पिछले साल पाकिस्तानी एयरफोर्स में सीनियर अधिकारियों के करप्शन को उजागर करने के बाद कई सीनियर अधिकारियों के साथ गिरफ्तार किया गया था। जवाद सईद के साथ साथ एयर मार्शल अहसान रफीक, एयर मार्शल तारिक, विंग कमांडर वकास और विंग कमांडर शिराजी सहित 10 अन्य अधिकारियों को भी पाकिस्तान वायुसेना प्रमुख जहीर बाबर सिद्धू के भ्रष्टाचार को उजागर करने और इस बारे में श्वेत पत्र लिखने की वजह से कोर्ट मार्शल किया गया है। उन्होंने कहा है कि पाकिस्तान के एक पत्रकार ने इन लोगों की पहचान का खुलासा आईएसआई के सामने कर दिया था, जिसके बाद इन लोगों को ऑफिसियल सीक्रेट एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया था।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक उनका कोर्ट मार्शल कर दिया गया है। उन्हें सेना में विद्रोह समेत कई आरोपों में दोषी ठहराया गया है। उन्हें पाकिस्तानी वायुसेना के मेस में हिरासत में रखा गया है। पाकिस्तान एयरफोर्स ने इस बाबत इस्लामाबाद हाईकोर्ट को इसकी जानकारी दी है। गिरफ्तार करने के बाद उन्हें एयर मार्शल के पद से भी हटा दिया गया था। यह जवाद सईद हैं जिन्होंने भारत के बालाकोट हमले के बाद जवाबी हवाई हमले की साजिश रची थी।

पाकिस्तानी सेना के पूर्व अधिकारी आदिल रजा ने दावा किया है कि पूर्व एयर मार्शल जवाद सईद को सरकारी गोपनीयता अधिनियम और विद्रोह मामलों में जेल की सज़ा सुनाई गई है। उन्होंने कहा है कि रिटायरमेंट से पहले जवाद सईद का नाम पाकिस्तान वायु सेना के सबसे वरिष्ठ अधिकारियों के शॉर्टलिस्ट किया गया था, जिसे तत्कालीन प्रधानमंत्री इमरान खान को एयर चीफ की नियुक्ति के लिए भेजा गया था। लेकिन उनका असली अपराध मौजूदा एयर चीफ के भ्रष्टाचार को उजागर करना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद हाईकोर्ट के जज ने कहा था कि चूंकि जवाद सईद के ठिकाने के बारे में पहले से ही पता था।

पहलगाम हमलाः पाकिस्तान वायुसेना रही अलर्ट, फ्लाइट रेडार 24 के स्क्रीनशॉट सामने आए

इस्लामाबाद। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के बाद भारत कुछ बड़ी कार्रवाई करेगा, इसका डर पाकिस्तान को सताने लगा है। भारत की कार्रवाई के खौफ में पाकिस्तानी वायुसेना रात भर अलर्ट रही। फ्लाइट रेडार डेटा में दर्ज पाकिस्तानी वायुसेना की असामान्य गतिविधियों से इसका पता चलता है। सोशल मीडिया एक्स पर फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइट रेडार 24 के स्क्रीनशॉट सामने आए हैं, जिसमें पाकिस्तान वायु सेना के प्रमुख विमानों को करांची स्थित दक्षिणी वायु कमांड से लाहौर और रावलपिंड़ी के पास उत्तर में स्थित ठिकानों की ओर जाते दिखाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान एयरपोर्स ने भारतीय सीमा के पास अपनी उपस्थिति बढ़ानी शुरू कर दी है। पाकिस्तान ने क्षेत्र में हवाई निगरानी को बढ़ाने के लिए साब एरिए एयरबॉर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट को तैनात किया है। एरिए सिस्टम एयर क्राफ्ट, मिसाइल और लंबी दूरी पर जमीनी लक्ष्यों का पता लगाने में सक्षम है, जो पाकिस्तानी वायुसेना को त्वरित कार्रवाई करने की क्षमता के लिए तैयार करता है। पाकिस्तानी वायु सेना की तैनाती बताती है कि वह किसी तरह का चांस नहीं लेना चाहती है। खासतौर पर पहलगाम हमले के बाद जब भारत गुस्से में हैं। यह 2019 के पुलवामा में हुआ आतंकी हमले के बाद क्षेत्र में सबसे बड़ा हमला है।

संक्षिप्त समाचार

महामाया रक्तदान एवं जन कल्याण समिति के चार सदस्य ने जिला अस्पताल में किया रक्तदान

दमोह। जिला अस्पताल में चार लोगों ने पहुंचकर किया रक्तदान। इस अवसर पर पहले रक्तदान डॉक्टर सुनील जैन ओ पॉजिटिव किया रक्तदान दूसरा रक्तदान जितेंद्र रैकवार लैब टेक्नीशियन जी ने बी पॉजिटिव किया रक्तदान तीसरा रक्तदान कृष्णा कुमार राय जी ने एबी पॉजिटिव किया चौथा रक्तदान बलराम अठिया जी ने ओ पॉजिटिव किया रक्तदान पर संस्था के अध्यक्ष अखिलेश रजक ने रक्तदान के महत्व को बताते हुए कहा कि यह एक पुनीत कार्य है जिससे जरूरतमंद मरीजों की जान बचाई जा सकती है। अध्यक्ष ने कहा कि, रक्तदान न केवल दूसरों की मदद करता है, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक होता है। समाज के हर व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए रक्तदान करने वाले सभी लोगों को अस्पताल प्रशासन द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और ऐसे प्रयासों को आगे भी जारी रखने की बात की गई हैं। महामाया रक्तदान एवं जन कल्याण समिति के सहयोगी कवित्री डॉक्टर प्रेमलता नीलम डॉक्टर अमित प्रकाश जैन अध्यक्ष अखिलेश रजक आशीष रजक अभिषेक जैन पत्रकार नरेंद्र पत्रकार राजेंद्र अटल पत्रकार महेंद्र दुबे पत्रकार जमुना चोबे पत्रकार धीरज कुमार अहीरवाल पत्रकार मनीष सागर सोहेल सौदागर अनुज रोहरा दीपक जैन अभिजीत जैन सुमन चढ़ार ब्लड बैंक स्टाफ उषा यादव संजय भैया सौरभ खरे प्रीति गुप्ता अनुपम खरे आदि उपस्थित रहें।

भाजपा सदर केंट मंडल ने आतंकवाद के खिलाफ पुतला दहन कर जताया रोश

सागर। नरयावली विधानसभा क्षेत्र सागर में भारतीय जनता पार्टी सदर केंट मंडल द्वारा 22/4/2025 दिन मंगलवार को पहलगाम में हुएं आतंकी हमले में 28 निर्दोषों के हत्या के विरोध में सदर स्थित शास्त्री चोक पर आतंकवाद एवं पाकिस्तान देश का पुतला दहन कर रोश प्रकट किया पुतला दहन के बाद पहलगाम में मारे गए निर्दोष बेकसूर लोगो के प्रति दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से उपस्थित नरयावली विधायक श्री प्रदीप लारिया ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा की पहलगाम में जो आतंकवादियों द्वारा जो घटना को आज़म दिया है वह एक निंदनीय है आज देश की नरेन्द्र मोदी जी की सरकार घटना में मारे गए लोगों के प्रति संवेदनशील है ऐसे दहशतगर्दों को किसी भी क़ीमत पर बक्सा नहीं जाएगा देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी घटना को देखते हुए अपने विदेश दोरे को रद्द करके भारत लौटे हैं निश्चित ही ऐसे दहशतगर्दों की अब खैर नहीं आज पूरा देश और भारतीय जनता पार्टी ऐसे दुखद घटना में मारे गए परिवारजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती है इस विरोध प्रकट करने बालों में भाजपा प्रदेश मंत्री श्री प्रभु दयाल पटेल भाजपा मंडल अध्यक्ष श्री सौरभ केसरवानी पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर मिश्रा श्री आफिसर यादव श्री हरिओम केसरवानी श्री वीरेन्द्र पटेल श्री शेखर चौधरी श्री कौशल यादव श्री रामप्रसाद विश्वाकर्मा श्री मुबीन मकरानी श्री विमल यादव श्री श्याम लाल पटेल श्रीमती मधु मौर्य श्रीमती रेखा अठिया श्रीमती रजनी अठिया सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता पदाधिकारी गंण उपस्थित रहे।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकियों के हमले में दिवंगतो को भाजपा पदाधिकारी जनप्रतिनिधियों ने दी श्रद्धांजली

सागर। पर्यटकों पर हमला अमानवीय और घिनौना कृत्य के साथ मानवता के खिलाफ है। पहलगाम में हुए हमले से सारा देश दहल गया है। हर भारतीय को गहरा दुख और पी?ा पहुंची है। इस तरह के घिनौने कृत्य की हम सभी भर्त्सना करते हैं। हमले की जिम्मेदारी लेने वाले आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और उसका समर्थन करने वाले पाकिस्तान की हम घोर निंदा करते हैं। यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष श्याम तिवारी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकियों के हमले में दिवंगत निर्दोष नागरिको को श्रद्धांजली अर्पित करते हुए कही। विधायक शैलेंद्र कुमार जैन,नरयावली विधायक प्रदीप लारिया,जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हीरा सिंह राजपूत, नगर निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार,पूर्व जिला अध्यक्ष गौरव सिरोठिया ने आतंकी हमले की कडे शब्दों में निंदा की।

युवाओं को भारत के गौरवशाली अतीत को बताये जाने की आवश्यकता है: धर्मेन्द्र भाव सिंह लोधी

शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि चरित्र और आत्मबल का निर्माण भी हो: कुलपति भारतीय मन, मानस और संस्कृति का पुनर्बोध विषय पर श्री धर्मपाल स्मृति द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर के अभिमंच सभागार में श्री धर्मपाल स्मृति द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के राज्यमंत्री श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने की. इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि मुख्य चुनाव आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव, सागर स्कूल शिक्षा संयुक्त संचालक डॉ. मनीष वर्मा, धर्मपाल शोधपीठ के निदेशक संतोष वर्मा एवं शैक्षिक अध्ययनशाला के अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार जैन विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन थे।

डॉ. अनिल कुमार तिवारी ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए भारतीय इतिहासकार और गांधीवादी विचारक धर्मपाल जी के जीवन और चिंतन पर विस्तार से प्रकाश डाला. उन्होंने बताया कि धर्मपाल जी आधुनिक शिक्षा व्यवस्था से असंतुष्ट थे और मानते थे कि यह भारतीय आत्मा से अलग करती है.

उनका मानना था कि भारत का वास्तविक उत्थान तभी संभव है जब हम यूरोपीय बौद्धिक प्रभावों से मुक्त होकर अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ें. डॉ. तिवारी ने प्रतिभागियों से इन सत्रों में सक्रिय भागीदारी का आग्रह किया और कहा कि इस विमर्श से हम भारत की आत्मा के करीब पहुंच सकते हैं।

कुलपति ने अध्यक्षीय उद्बोधन में भारतीय संस्कृति, मूल्य आधारित शिक्षा और युवाओं के व्यक्तित्व विकास की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने संस्कृति विभाग भोपाल का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम भारतीय मानस के पुनरुद्धार की दिशा में एक सार्थक पहल है. उन्होंने कहा कि आधुनिकता, उपभोक्तावाद और औद्योगीकरण के प्रभाव में भारतीय समाज अपनी मूल सांस्कृतिक जड़ों से दूर हो गया है. उन्होंने युवाओं में भारतीय मूल्यों, जैसे योग, आयुर्वेद, पारिवारिक संस्कार और राष्ट्र सेवा की भावना जागृत करने की आवश्यकता जताई. उन्होंने शिक्षा को केवल डिग्री प्राप्ति तक सीमित न रखते हुए, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से मूल्य आधारित, कौशल उन्मुख और चरित्र निर्माण केंद्रित शिक्षा को लागू करने की बात की. विश्वविद्यालय द्वारा चलाए जा रहे स्किल एन्हांसमेंट कोर्स, वैल्यू बेस्ड एजुकेशन और कम्युनिटी कॉलेज पहल का उल्लेख करते हुए उन्होंने बताया कि कैसे विश्वविद्यालय समाज निर्माण में योगदान दे रहा है. कुलपति ने कहा कि हमें भारतीय ज्ञान परंपरा, गीता, रामायण, महाभारत जैसे ग्रंथों को शिक्षा प्रणाली में शामिल कर छात्रों को जीवन मूल्यों से जोड़ना होगा. उन्होंने स्वामी विवेकानंद और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के विचारों की बात करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि चरित्र और आत्मबल का निर्माण करना होना चाहिए।

पहलगाम आंतकी हमलें में मृतकों को जिला भाजपा कार्यालय में श्रृद्धांजलि

दमोह। बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर सम्मान अभियान संगोष्ठी भाजपा कार्यालय दमोह में आयोजित होना थी जिसमें केंद्रीय मंत्री डॉ वीरेंद्र खटीक मुख्य अतिथि (वक्ता) में सम्पन्न होना थी, लेकिन पहलगाम जम्मू कश्मीर में आतंकी हमला और दमोह में महादेव घाट बनवार में दुखद घटना हो जाने पर 2 मिनट का मौन धारण कर मृतकों को श्रृद्धांजलि दी, एवं सभी कार्यक्रम स्थागित किए गए एवं राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया। केंद्रीय मंत्री वीरेंद्र खटीक ने कहा कि डॉ आंबेडकर जी के सम्मान में संगोष्ठी का आयोजन था परंतु जम्मू कश्मीर के पहलगाम पर्यटन स्थल पर आंतकवादियों ने जिस तरह निर्दोष लोगों पर गोलियां चलाई और हत्यायें की है वह अत्यंत निंदनीय कृत्य है। सभी दिव्यंत आत्माओं की शांति हेतु मौन धारण कर श्रृद्धांजलि दी। ईश्वर मृतकों के परिवार को इस असीम दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने कहा कि पहलगाम पर आंतकी हमले में निर्दोषों की मृत्यु अंत्यंत पीड़ा दायक है। भारतीय जनता पार्टी ने सभी कार्यक्रम निरस्त कर मृतकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। दमोह के वनवार के समीप महादेव घाट पुल पर भी दुर्घटना में 8 की मृत्यु हुई है। सभी मृतकों के परिजनों के प्रति हमारी शोक संवेदना है। इस दौरान भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं कटनी के पूर्व महापौर शशांक श्रीवास्तव ने भी उक्त घटनाओं में मृत व्यक्तियों के परिवारों के प्रति शोक संवेदनाएं व्यक्ति की। इस दौरान विधायक जयंत मलैया, विधायक हटा उमा देवी खटीक, पूर्व जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह, जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती रंजीता गौरव पटेल, पूर्व विधायक श्रीमती सोना बाई, जिला महामंत्री गोपाल पटेल, सतीश तिवारी, रामेश्वर चौधरी (कार्यक्रम प्रभारी) जिला पदाधिकारी सभी मंडल अध्यक्ष, सभी मोर्चों के अध्यक्ष, पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

पेंशनर विरोधी प्रावधान के विरोध में सौंपा एडीएम को ज्ञापन

मैहर। वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन के प्रांताध्यक्ष एड.राजकुमार दुबे के निर्देशन पर पूरे म.प्र. के जिलों में आठवें वेतनमान पारित अध्यादेश जो कि पेंशनरों के हित के विपरीत है इसे समाप्त कर पूर्व की भांति पेंशनरों को लाभ देने हेतु ज्ञापन सौंपे जाने का निश्चय हुआ था। इसी तारतम्य में मैहर जिले के पेंशनर साथी संरक्षक एवं प्रांतीय उपाध्यक्ष रविनंदन मिश्र के संरक्षकत्व एवं जिला अध्यक्ष के नेतृत्व में सभी मैहर जिले के पेंशनर एकत्रित होकर धरना प्रदर्शन एवं रैली के रूप में कलेक्टर कार्यालय मैहर में ज्ञापन देने हेतु एकत्रित हुए। कलेक्टर मैहर के प्रतितिनधि के रूप में अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह पेंशनरों के द्वारा सौंपे गए। ज्ञापन को प्राप्त कर केन्द्रीय वित्त सचिव को भेजने का आश्वासन

दिया गया। इस अवसर पर गोविंद अग्रवाल, महेन्द्र कुमार शर्मा, दिनेश कुमार सिंगरौल, डीएन सिंह, वाई एन. तिवारी, शिवचरण साकेत, रामप्रसाद वर्मा, पुरूषोत्तमदास नामदेव, डा.अरूण शुक्ला, दिनेश पटेल, अयोध्या सिंह, छेदीलाल त्रिपाठी, अशोक सोनी, धन्नूलाल प्रजापति, एस.के.श्रीवास्तव, सुनील अग्रवाल, आर.के. चतुर्वेदी, आर.के सिंह, वीरेन्द्र गौतम, शरमनलाल साकेत, राजभान जायसवाल एवं राजेन्द्र दीक्षित सहित काफी पेंशनर उपस्थित रहे। ज्ञापन सौंपने के पश्चात सभी का आभार प्रदर्शन रविनंदन मिश्र द्वारा किया गया। साथ ही बताया गया कि अगली मासिक बैठक 17 मई को सायं 5 बजे पेंशनर कार्यालय मैहर में होगी।

सब्जी मंडी में अवैध वसूली के संबंध में कलेक्टर से शिकायत

दमोह। सब्जी मंडी में लहसुन की खरीदी पर किसानों से आडतियों (व्यापारियों) द्वारा अवैधानिक 6 प्रतिशत राशि की वसूली व एक से डेढ़ किलो लहसुन की फसल प्रति बोरी पर किसानो से ली जाती है इसके संबंध में आज किसान संगठनों के पदाधिकारीयों द्वारा कलेक्टर साहब से मिलकर पत्र दिया गया साथी सब्जी मंडी में जो सेट है उन पर व्यापारियों का कब्जा है उसे खाली करने के लिए पत्र सौपा गया, किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष एड.हरिश्चंद्र पटेल गुड्डू ने बताया कि कलेक्टर साहब ने मंडी प्रशासक को कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया है साथ में श्री हेमंत पटेल संभागीय मंत्री किसान संघ श्री पप्पू पटेल छपरट रहे।

शोभा यात्रा के साथ खजुरीताल में पाटोत्सव का हुआ शुभारंभ

मैहर। जिले का मानसपीठ खजुरीताल समस्त जनमानस के आस्था का केंद्र है जहां कि अनेक धार्मिक सामाजिक आयोजन होते रहते हैं। इसी कड़ी में जगद्गुरु स्वामी रामललाचार्य जी महाराज के सानिध्य में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानसपीठ में पाटोत्सव 24 अप्रैल से 30 अप्रैल तक होना सुनिश्चित हुआ है जिसकी आज बहुत ही भव्यता के साथ अहिरगांव से खजुरीताल तक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। जिसमें की जगद्गुरु स्वामी रामललाचार्य महाराज, मैहर छोटा अखाड़ा से गंगाशरण, अधिकारी प्रमोद बिहारी एवं नितिन महाराज सहित क्षेत्र के

वरिष्ठ समाजसेवी एवं भक्तजन उपस्थित रहे। साथ ही भव्य वाहन रैली में सबसे अधिक वाहन रहे। कार्यक्रम में प्रात: श्री सद्गुरु सहस्त्रार्चन, मध्यकालीन श्रीमद् भागवत कथा एवं रात्रि कालीन अनेक सांस्कृतिक आयोजन हुए। साथ ही अक्षय तृतीया 30 अप्रैल को आश्रम में अनेक ब्राम्हण बालकों का सामूहिक व्रतबंध संस्कार भी किया जाएगा और रात्रि कालीन ख्याति प्राप्त भजन गायिका शहनाज अख्तर की भी प्रस्तुति होगी। जगद्गुरु स्वामी रामललाचार्य ने पाटोत्सव में सम्मिलित होने के लिए समस्त भक्तों को आमंत्रित किया है।

भक्ति भाव और भव्यता से मनाया जाएगा भगवान परशुराम जन्मोत्सव

दमोह। भगवान विष्णु के छठवें अवतार एवं विप्र कुल शिरोमणि भगवान परशुराम का जन्मोत्सव 30 अप्रैल (बुधवार) को पूर्ण भक्ति भाव एवं भव्यता से मनाया जाएगा। जिसकी तैयारी को लेकर सिविल वार्ड नं. 4 के शिव पार्वती मंदिर में सर्व ब्राह्मण समाज की बैठक हुई। प्रवक्ता बीएम दुबे ने बताया कि इस बैठक में उपस्थित विप्र जनों की सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि 30 अप्रैल को प्रातः 8 बजे पॉलिटेक्निक के पास परशुराम टेकरी पर भगवान परशुराम का पूजन, अर्चन, हवन एवं प्रसाद वितरण होगा। प्रातः 10 बजे से सिविल वार्ड नं. 4 में स्थित शिव पार्वती मंदिर में सुंदरकांड प्रारंभ होगा एवं शाम 5 बजे यहीं से एक भव्य शोभा यात्रा प्रस्थान करेगी जो कोऑपरेटिव बैंक चौराहा, बस स्टैंड, स्टेशन चौराहा, राय चौराहा, घंटाघर, अस्पताल चौराहा, कोऑपरेटिव बैंक चौराहा होते हुए शिव पार्वती मंदिर पर समापन होगा।

नगरीय निकाय के लघु वेतन कर्मचारी संघ ने सौंपा ज्ञापन

मैहर। प्रदेश में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी, स्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी नगर पालिका एवं नगर पंचायत कर्मचारी, जनजाति कार्य विभाग, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सहायिका, आशा-ऊषा सहयोगी सुपरवाइजर, अंशकालीन एवं मिडडे मील में कार्यरत रसोईया, लोक निर्माण विभाग, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, वन विभाग, जल संसाधन विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं अन्य समस्त विभागों की समस्याओं को लेकर 15 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन बुधवार को अपर कलेक्टर मैहर को सौंपा गया। प्रदेश के नगरीय निकाय विभाग में 16 मई 2007 के पश्चात से सितंबर 2016 तक के कार्यरत् दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों का अतिशीघ्र विनियमित किया जाय। प्रदेश के नगरीय निकाय विभाग में कार्यरत स्थाई, विनियमित कर्मचारियों को सातवें वेतनमान, अनुकम्पा नियुक्ति सहित अन्य सुविधाओं के आदेश जारी किए जांय। तथा नगरीय निकाय के तृतीय एवं चतुर्थ श्रेणी के नियमित कर्मचारियों की पदोन्नति किये जाने हेतु आदेश जारी किए जाने कि मांग की गई।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट, दमोह पुलिस ने दो युवकों पर मामला दर्ज किया

दमोह। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों के ऊपर हमले की जानलेवा आतंकी घटना से पूरे देश में जहां शोक व्याप्त है वही आतंकियों के खिलाफ तत्काल सख्त कार्यवाही की मांग की जा रही है इधर इस आतंकी घटना के बाद दमोह में फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट अपडेट करने वाले दो युवकों के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज करके कार्यवाही की है। उल्लेखनीय है कि पहलगाम आतंकी हमले में 28 निर्दोष पर्यटकों की जाति व धर्म पूँछकर हत्या कर देने के घटनाक्रम से पूरे देश में सोशल मीडिया के जरिए सांप्रदायिक तनाव भड़काने वालों पर नजर रखी जा रही है। दमोह के वसीम खान द्वारा पहलगाम हमले के बाद फेसबुक पर एक आपत्तिजनक पोस्ट अपडेट की गई थी। तनवीर अहमद द्वारा उस पोस्ट के समर्थन में कमेंट किया गया था। जिस पर साइबर सेल के जरिए यह मामला वरिष्ठ अधिकारियों के संज्ञान में

आते ही त्वरित कार्यवाही करते हुए दमोह कोतवाली में उपरोक्त दोनों युवको के खिलाफबीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करके उनकी तलाश की जा रही है। दमोह सीएसपी अभिषेक तिवारी ने बताया कि पहलगाम हमले को लेकर सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट डालने पर वसीम खान और तनवीर कुरैशी पर सांप्रदायिक सौहाद्र बिगाड़ने की धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उन्होंने सभी लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार की भड़काऊ पोस्ट तथा उसे पर कमेंट करने से बचे। पुलिस का साइबर सेल लगातार सोशल मीडिया पर नजर रखे हुए हैं।

» न्यूज कैप्सूल »

खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा चलाया जा रहा जागरूकता अभियान

कटनी। कलेक्टर दिलीप कुमार यादव के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम के अंतर्गत सही भोजन, स्वस्थ जीवन के प्रति आमजन को जागरूक करने के लिए खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में स्ट्रीट फूड वेंडर्स को समझाइश और निर्देश दिया जा रहा है कि स्ट्रीट फूड में फूड कलर, अजीनोमोटो, एसेंस, विनेगर का उपयोग कम मात्रा में किया जाये। साथ ही साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। इसके अतिरिक्त आमजन को जागरूक करने मोबाइल फूड वैन के माध्यम से शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन करने प्रचार-प्रसार किया जा रहा है। ग्रीष्म ऋतु के दृष्टिगत भी फास्ट फूड, जंक फूड की दुकानों एवं चौपाटी की सघन जांच की जा रही है। इस दौरान केशरवानी चाट भंडार से आलू टिक्की, मसाला टिकिया, ब्रेड पाव, पिज्जा बेस के नमूने जांच हेतु लिए गए हैं, जो राज्य खाद्य परीक्षण प्रयोगशाला भोपाल भेजे जा रहे हैं। यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

एमएसडब्ल्यू के डायरेक्टर एवं प्लांट हेड को कोर्ट का समन जारी

कटनी। मेसर्स कटनी एम.एस.डब्लू. प्रा.लि. ग्राम पडरवारा, तहसील मुडवारा को म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड भोपाल द्वारा सशर्त जलवायु सम्मति प्रदान की गई थी। परंतु जब म.प्र.प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड कार्यालय के अधिकारियों द्वारा उद्योग का निरीक्षण किया गया, तब पाया गया कि उद्योग द्वारा जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम 1974 की धारा 43/47 एवं पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम 1986 की धारा 15 एवं 17 का लगातार उल्लंघन किया जा रहा है।

तदुपरांत बोर्ड द्वारा उद्योग के डायरेक्टर गण हेमा प्रसाद, संतराम बायता, अनुपमा मिश्रा एवं प्लांट हेड शांतनु कुमार एवं आदित्य कुमार के विरूद्ध मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कटनी के न्यायालय में जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम 1974 की धारा 43/47 एवं पर्यावरण (सरंक्षण) अधिनियम 1986 की धारा 15 एवं 17 के तहत् प्रकरण क्रमांक 829/2025 4 अप्रैल 2025 को दायर किया गया था। जिस पर 21 अप्रैल 2025 को सुधांशु तिवारी क्षेत्रीय अधिकारी के आग्रह पर न्यायालय द्वारा संज्ञान लेते हुये उपरोक्त अभियुक्त गणों के विरूद्ध अपराध पंजीबद्ध करते हुये समस्त अभियुक्त गणों को 24 अप्रैल को न्यायालय में उपस्थित होने के लिए सम्मन जारी किये गये है।

मालगाड़ी का चका फिसला

1 घंटे तक रानी कमलापति-रीवा वंदेभारत को रोका

कटनी। देश की सबसे प्रीमियम व प्रतिष्ठित ट्रेनों में शुमार वंदे भारत एक्सप्रेस की पंचुअलिटी पर सीधे रेलवे बोर्ड नजर रखता है, लेकिन जब एक मालगाड़ी इस खास ट्रेन को रोक दे तो चर्चा होना लाजिमी है. ऐसी ही एक घटना पिछले दिनों पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर रेल मंडल के जबलपुर-कटनी के मध्य घटित हुई। जब निवार-कटनी साउथ स्टेशनों के बीच एक मालगाड़ी स्पीड नहीं पकड़ पा रही थी, उसके इंजिन का पहिया एक ही स्थान पर घूम रहा था, जिससे इस रेलखंड पर यातायात अवरुद्ध हो गया, जिसके चलते जबलपुर से रीवा की ओर जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस को 1 घंटे तक निवार स्टेशन पर रोकना पड़ा.बताया जाता है कि गाड़ी संख्या 20173 रानीकमलापति-रीवा वंदेभारत एक्सप्रेस गत 20 अप्रैल की शाम 19.56 बजे जबलपुर से सही टाइम पर कटनी की ओर रवाना हुई, लेकिन जैसे ही यह गाड़ी निवार स्टेशन पर पहुंची तो इसे रोक दिया गया. पता चला कि निवार-कटनी साउथ के बीच एक मालगाड़ी का इंजिन लोड नहीं खींच पा रहा है, उसका पहिया एक ही स्थान पर घूम रहा है, इस प्रयास में एक घंटे से अधिक समय हो गया। इस कारण वंदे भारत एक्सप्रेस लगभग 1 घंटे तक निवार स्टेशन पर खड़ी रही। बाद में जब मालगाड़ी किसी तरह कटनी साउथ पहुंची, तब वंदे भारत एक्सप्रेस को ग्रीन सिग्नल मिला। इस ट्रेन में यात्रा कर रहे यात्रियों ने बताया कि इस प्रीमियम ट्रेन को एक छोटे से स्टेशन पर रेलवे की तकनीकी खराबी के कारण रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों का बहुमूल्य समय बर्बाद हुआ। यात्री इस ट्रेन की महंगी टिकट इसलिए लेकर यात्रा करते हैं कि वे सही समय पर अपने गंतव्य स्टेशन तक पहुंच सके।

वृद्धजन शिविर का आयोजन हुआ

190 दिव्यांगजनो का हुआ परीक्षण

पिपरिया। नगर के शहीद भगत सिंह महाविद्यालय के जुवली हॉल में वृद्धजन शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 190 दिव्यांगजनो का परीक्षण किया गया। शिविर का आयोजन नगरपालिका, जनपद पंचायत व सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के अंर्तगत दिव्यांगजन सहायक एवं कृत्रिम अंग उपकरण परीक्षण उपरांत उपकरण वितरण। जिला अस्पताल के डॉ अनिल बडुके, डॉ सतीश तिवारी, वंदना मौरे, डॉ कमलेश विश्वास, संजीव गौर ने शिविर में नगरपालिका क्षेत्र के अंर्तगत 9 मानसिक विकलांग, 49 अस्थि वाधित, 25 श्रवण वाधित वही जनपद पंचायत के अंर्तगत 5 मूक वधिर, 64 अस्थि वाधित, 13 मानसिक व श्रवण वाधित, 5 दृष्टिवाधितो को जांच परीक्षण किया गया। जिसमें से 13 अस्थि बाधित, 2 अल्प दृष्टि बाधित, 2 श्रवण वाधित व 3 मानसिक विकलांग को अगले शिविर में सहायक उपकरण वितरित किए जायेगे। आयोजित शिविर का एसडीएम अनीशा श्रीवास्तव ने निरीक्षण कर अधिकारियो को निद्रेश दिए की जो भी दिव्यांग जन इस शिविर में आए है उनको कोई भरी समस्या नही होना चाहिए। इस दौरान नपा सीएमओ रवि प्रकाश नायक, जनपद सीईओ सुमन खातरकर, बीएमओ डॉ चि कटकवार, मधु तिवारी, शैलेश सिंह भदोरिया, दुर्गेश वर्मा, विजय आदिवासी व नगरपालिका से प्रभा दोहरे, नंदिनी वर्मा, विकास चौबे, अशोक ठाकुर ग्राम पंचायत सचिव व रोजगार सहायक मौजूद रहे।

महापौर, निगमायुक्त ने योजनाओं के संबंध में ली समीक्षा बैठक

अनाधिकृत कॉलोनियों के रहवासियों को विकास शुल्क जमा करनें हेतु आयोजित करें शिविरः महापौर

प्लानिंग के साथ पूर्ण हो सीवर लाईन विस्तार का कार्य - आयुक्त

कटनी। नगर की चिन्हित पात्र अनाधिकृत कॉलोनियों में निवासरत नागरिकों को नागरिक सुविधाएं तथा भवन अनुज्ञा के प्रकरणों का त्वरित निराकरण करनें शासन के कॉलोनी डेवलपमेंट नियम के अनुसार शिविरों को आयोजन कर कॉलोनी में रहने वाले नागरिकों से विकास शुल्क की राशि जमा कराकर भवन निर्माण के लिए नक्शा पास करनें की प्रक्रिया पूर्ण की जाए ताकि शान और स्वाभिमान के साथ स्वयं के स्वीकृत नक्शे के मकान में कॉलोनी के रहवासी रह सकें। उक्त निर्देश महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी नें बुधवार को आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त नीलेश दुबे भी विशेष रूप से मौजूद रहे।

शिविरों का करें पर्याप्त प्रचार-प्रसार

महापौर श्रीमती सूरी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि अनाधिकृत कॉलानी के रहवासियों हेतु विकास शुल्क की राशि जमा करने के लिए आयोजित किये जाने वाले शिविरों का निगम के माध्यम सहित समाचार पत्रों सोशल मीडिया प्लेटफार्म आदि के माध्यमों से पर्याप्त प्रचार-प्रसार किया जाए, तथा शिविरों का आयोजन स्थल एवं समय नागरिकों की सुविधा की दृष्टि से निर्धारित किया जाए, ताकि अनाधिकृत कॉलोनी में रहने वाले अधिक से अधिक नागरिकों को शिविरों के आयोजन संबंधी पूर्व सूचना मिल सके और वे शिविर का भरपूर लाभ प्राप्त कर सके। नागरिकों

की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए इस कार्य में स्थानीय पार्षदों का सहयोग भी लिये जानें के निर्देश महापौर श्रीमती सूरी ने दिए। महापौर श्रीमती सूरी नें आमजन की सुविधा को दृष्टिगत रखते हुए आयोजित होने वाले शिविरों में विकास शुल्क की राशि जमा करनें हेतु नियमानुसार किश्तों की सुविधा प्रदान करनें तथा निर्मित ई.डब्ल्यू.एस व एल.आई.जी, संरचनाओं के आधार पर नियमानुसार छूट का लाभ प्रदान करने की बात कही।

शीघ्रता से पूर्ण करें निर्माण कार्य

महापौर श्रीमती सूरी ने बैठक में नगर में छात्र छात्राओं के पठन-पाठन की सुविधा हेतु डीएमएफ मद के तहत नगर के के.सी.एस स्कूल में कराये जा रहे विकास कार्यो की समीक्षा की गई। इसके अलावा अन्य विकास कार्यो के प्रस्ताव शीध्रता से तैयार कर भेजने के निर्देश दिए। निगम मद से नगर के विभिन्न वार्डो में कराये जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यो की समीक्षा कर आगामी वर्षा ऋतु को दृष्टिगत रखते हुए शीघ्रता से कार्यो को पूर्ण करानें के निर्देश विभाग प्रमुखों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं एवं विकास कार्यों का उद्देश्य जनता के जीवन स्तर को सुधारना है, इसलिए यह सुनिश्चित किया जाए कि विकास कार्य समय पर गुणवत्ता के साथ पूर्ण कर लिए जाएं।

जलप्लावन की न हो समस्या

महापौर श्रीमती सूरी ने बैठक के दौरान जगन्नाथ चौक से घंटाघर तक कराये जानें वाले निर्माण कार्यो की प्रगति की समीक्षा कर आगामी वर्षा ऋतु में स्थल पर उत्पन्न होने वाली जलप्लावन की समस्या को दृष्टिगत रखते हुए जल निकासी की सुगम व्यवस्था हेतु नाला एवं शेष अन्य निर्माण कार्यो को प्राथमिकता से पूर्ण करनें के निर्देश दिए। इस दौरान वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था पूर्व से सुनिश्चित करनें के भी निर्देश महापौर ने दिए। बैठक में मार्ग के प्रभावितों को मुआवजा वितरण की कार्यवाही की समीक्षा की जाकर मुआवजा वितरण के कार्य में तेजी लानें के निर्देश दिए। बैठक में निगम के महत्वपूर्ण पत्राचारों एवं उनपर की गई कार्यवाही के संबध में भी विस्तार से चर्चा की जाकर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए।

प्लान तैयार कर सीवर का कार्य

निगमायुक्त नीलेश दुबे ने शहर में कराये जाने वाले सीवर लाईन विस्तार के कार्य हेतु प्लानिंग के तहत स्थानीय जनप्रतिनिधियों को शामिल करते हुए क्षेत्र के नागरिकों को पूर्व से कार्य के संबंध में सूचित करनें के निर्देश दिए। निगमायुक्त नें कार्य प्रारंभ होने वाले स्थलों का प्रचार -प्रसार के माध्यम से जानकारी आमजन तक पहुंचानें के निर्देश दिए ताकि आम नागरिकों को दिक्कतों का समाना न करना पड़े।

बैठक में निगम के विभाग प्रमुख उपायुक्त पवन कुमार अहिरवार, प्रभारी सहायक यंत्री सुनील सिंह, अनिल जायसवाल, आदेश जैन उपयंत्री शैलेन्द्र प्यासी, मोना कारेरा, मृदुल श्रीवास्तव, स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी, राजस्व अधिकारी जागेश्वर पाठक, कार्यालय अधीक्षक नागेन्द्र पटेल, निगम सचिव पारसनाथ प्रजापति, अंबिकेश तिवारी, राकेश तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कोई पत्नि से प्रताडित होकर तो कोई अपनी जगह से अधिक जगह में निर्माण किये जाने को लेकर पहुंचा जनसुनवाई में

पिपरिया। मंगलवार को तहसील कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। जिसमें मैं दिनेश पिता बुटानी धुर्वे 50 वर्ष निवासी गांधी वार्ड में निवास करता हूं। मेरे दो बच्चे है मेरी पत्नि सुनीता से मैं पिछले तीन माह से मेरे ही घर में अलग रहकर। वह मुझे खाना बनाकर नही देती है। वही मेरी पत्नि दूसरे आदमी जीवन साहू के साथ रह रही है। वही उन दोनो ने मेरे मकान पर कब्जा करना चाहती है। वही दोनो मुझे मारने की धमकी देते है। वही बनखेडी निवासी नंदिता माहेश्वरी ने जनसुनवाई में दिये आवेदन में बताया कि मेरे नाम से 20 हजार 568 वर्ग फु ट भूमि राजस्व अभिलेखो में दर्ज है जो क्रय की गई थी। जिसमें कुछ भूमि पर सुरेश जैन द्वारा कब्जा कर निर्माण किया जा रहा है नंदिता माहेश्वरी ने बताया सुरेश जैन पिता फूलचंद जैन के नाम 21 हजार 768 वर्गफुट भूमि दर्ज है जो कि खसरा नं. 112/2 रकबा 0.50 एकड कृषिभूमि में भी दर्ज है। रकबा एक ही है परंतु दो-दो जगह दर्ज है आवेदन में

बताया की सुरेशजैन को उक्त भूमि पिता फू लचंद जैन की मृत्यु होने के बाद उत्तराधिकारी में प्राप्त हुई उक्त भूमि में से फू लचंद जैन द्वारा 4 डिसमिल भूमि का विक्रय पूर्व में ही कर दिया था परंतु कुल रकबा 1 एकड 50 डिसमिल रहा जिसमें से यह विक्रय भूमि नही घटी। वही राजस्व नक्शा में उक्त भूमि में 10 डिसमिल भूमि मौके पर कम है जिसको सुरेश जैन ने भी न्यायालय में स्वीकार किया है परंतु जैन द्वारा अनुविभागीय अधिकारी से जानकारी छुपाकर 21 हजार 768 वर्गफुट भूमि का व्यवसायिक प्रयोजन हेतु अनुमति प्राप्त की है। वही इसी आधार पर नगर परिषद से नक्शा भी पास कराया गया है। उक्त अनुमति में आदेश की पेरा 6 के 9 में सीमा या स्वामित्व से संबंधित कोई विवाद होने पर या किसी भी शर्त के उल्लंघन पर अनुज्ञा स्वत: निरस्त मानी जावेगी। इस संबंध में मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर परिषद बनखेडी को वस्तु स्थिति से अवगत कराने बाद भी भवन निर्माण की अनुमति निरस्त नही की गई व धडल्ले से नियम से हटकर कार्य जारी है। इस संबंध में नगर परिषद से जानकारी लेने पर ज्ञात हुआ कि नगर परिषद ने इस शिकायत की नोटसीट में लिखा गया कि सिविल न्यायालय के निर्णय उपरांत भवन अनुज्ञा निरस्त या अन्य कार्रवाही होगी जबकि नगरपरिषद ने व्यवसायिक प्रयोजन की अनुमति का नक्शा 21 हजार 768 वर्गफुट का पास किया है जो कि सुरेश जैन की इतनी जगह है ही नही इस संबंध में नंदिता माहेश्वरी की जनसुनवाई में शिकायत के बाद एसडीएम अनिशा श्रीवास्तव ने कहा कि इस संबंध में सीएमओ नगरपरिषद बनखेडी से चर्चा हुई तो उन्होने बताया कि निर्माण कार्य बंद है। जबकि निर्माण कार्य धड़ल्ले से चालू है । वही इस संबंध में रिपोर्ट बुलाने के बाद कार्रवाही की जावेगी। वही मेरे पति अंबर सिंह अहिरवारपिता रमेश अहिरवार 30 वर्ष सहित उनके परिजनो के द्वारा मारपीट,दहेज में बीस लाख नगद व फोर व्हीलर गाडी की मांगने की शिकायत दर्ज कराई। वही जनसुनवाई में 15 आवेदन आए जिनको एसडीएम ने संबंधित अधिकारियो को निराकरण के लिए दिए गए।

कटी फसल को बदमाशों ने किया आग के हवाले

कटनी। कुठला बस्ती से लगे खेतों में रखी कटी हुई गेहूं की फसल को कुछ आपराधिक तत्वों ने आग के हवाले कर दिया। घटना में करीब दो से तीन एकड़ की कटी हुई गेहूं की फसल जलकर खाक हो गई। फसल में आग लगने की खबर मिलते ही खेत मालिक किसान और इलाके के लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन आग की लपटें इतनी तेज थी कि आग पर काबू पाना नामुमकिन था। थोड़ी ही देर में पूरी की पूरी फसल आग में जलकर स्वाहा हो गई। इस घटना से गुस्साए किसानों और ग्रामीणों ने बस स्टैंड पुलिस चौकी का घेराव कर दिया और जोरदार नारेबाजी करते हुए पुलिस पर कार्रवाई में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया। उनका कहना था कि क्षेत्र के बदमाश फसल में आग लगाने की धमकी देते रहे, जिसकी जानकारी पुलिस को भी दी गई लेकिन अपराधियों के खिलाफ एफआईआर तक दर्ज नहीं की गई, जिसके चलते बदमाशों ने इस घटना को अंजाम दे दिया। स्थिति बिगड़ती देख बस स्टैंड पुलिस चौकी प्रभारी योगेश मिश्रा ने प्रदर्शनकारियों को समझाइश दी और आश्वासन दिया कि दोषियों के खिलाफ जल्द ही मामला दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

जनकल्याणकारी संबल योजना एवं ई-केवायसी के लंबित प्रकरणों का पांच दिवस में करें निराकरण

उपायुक्त ने लंबित प्रकरणों की समीक्षा

कटनी। नगर निगम आयुक्त नीलेश दुबे के निर्देश पर उपायुक्त पवन कुमार अहिरवार द्वारा बुधवार 23 अप्रैल को शासन की जनकल्याणकारी योजना के अंतर्गत नगर निगम में संबल योजना के पंजीयन तथा ई-के.वाई.सी के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर इस कार्य में संलग्न कर्मचारियों को प्राथमिकता से लंबित प्रकरणों का निराकरण करनें के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी एवं निगमायुक्त नीलेश दुबे के निर्देश पर समग्र ई-केवाईसी की सुविधा का नागरिकों को लाभ प्रदान करने की दृष्टि से प्रत्येक वार्ड में शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

बैठक में उपायुक्त अहिरवार द्वारा संबल में पंजीयन हेतु निकाय में प्राप्त आवेदनों के सत्यापन और पंजीयन की कार्यवाही की समीक्षा की तथा शासन द्वारा नियत समयावधि में प्रकरणों का निराकरण किए जाने के निर्देश दिए गए। बैठक में निकाय के माध्यम से संचालित संबल योजना की समीक्षा बैठक के दौरान पूर्व में प्राप्त लगभग 4 हजार लंबित आवेदनों में से बुधवार तक 3 हजार आवेदनों का निराकरण होना पाया गया। 23 अप्रैल की स्थिति में नवीन प्राप्त आवेदनों सहित कुल 1127 आवेदन लंबित पाये जानें पर उपायुक्त पवन अहिरवार द्वारा प्रकरणों में सत्यापन और पंजीयन की कार्यवाही प्राथमिकता के साथ आगामी पाँच दिवस में पूर्ण करने के निर्देश टीम के कर्मचारियों को दिए गए।

समग्र ई-केवायसी कार्य में लाएं तेजी

शासन निर्देशों के अनुपालन में हितग्राही मूलक योजनाओं से प्रत्येक पात्र हितग्राही को नागरिकों को लाभान्तिव करनें के उद्धेश्य से नगर निगम कटनी द्वारा आयोजित विशेष अभियान के तहत कराये जा रहे समग्र ई-केव्हायसी कार्य की समीक्षा के दौरान उपायुक्त श्री अहिरवार नें डोर- टू - डोर संपर्क कर नागरिकों को ई-के.वाई.सी की आवश्यकता की जानकारी प्रदान करते हुए शीध्रता से शत-प्रतिशत नागरिकों की ई-केव्हायसी का कार्य पूर्ण करनें के निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए।

छात्र छात्राओं ने निकाली जल संरक्षण जागरूकता रैली

पिपरिया। नगर के शासकीय सी एम राइज आर एन ए उत्कृष्ट विद्यालय के छात्र- छात्राओं ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत जल पखवाड़ा एवं पृथ्वी दिवस के अवसर पर जल संरक्षण एवं संवर्धन के लिए जल संरक्षण जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें छात्रों के द्वारा स्लोगन बैनर चित्र नारे एवं सुभाष चौक पर जल संरक्षण के लिए शपथ लेकर नगर में जल संरक्षण के लिए लोगों को जागरूक किया गया। जलगंगा संवर्धन अभियान 2025 के अंतर्गत सीएम राइज शासकीय आरएनए उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में अनीसा श्रीवास्तव एसडीएम के निर्देशन में जल पखवाडे के अन्तर्गत चित्रकला, निबंध, वाद-विवाद, तत्कालिक भाषण आदि प्रतियोगिताऐं आयोजित की गई। इसमें विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों के द्वारा जल पखवाड़े विषय पर आधारित जल संरक्षण जागरूकता रैली निकाली गई। यह रैली भगत सिंह प्रतिमा से सुभाष प्रतिमा, मंगलवारा चौक तक पहुंची। जहां पर विद्यार्थियों को पृथ्वी दिवस की जानकारी देकर विद्यार्थियो व नागरिकों को जल संरक्षण जागरूकता की शपथ दिलाई गई। इस रैली में विद्यार्थियों ने अपने हाथो में पोस्टर और बैनर के माध्यम से जल संरक्षण से संबंधित नारे लगाकर नागरिकों को जागरूक किया। पृथ्वी दिवस पर विद्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें प्राचार्य एवं विद्यार्थियों ने पृथ्वी ग्रह के महत्व के बारे में जानकारी दी। इस दौरान बीईओ एस एल रघुवंशी, प्राचार्य संजीव कुमार दुबे, इको क्लब प्रभारी राजकिशोर पटेल, शिक्षक ज्ञानेन्द्र हरदेनिया, पीएन दुबे, गिरीश गौतम, मनीष जैन, रामस्वरूप मेहरा, मेघा वर्मा, ज्योति बुधोलिया, वंदना बारोलिया, निशा जायसवाल, एकता बसंल एवं समस्त विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

पहलगांव में आतंकी हमले में हुए दिवंगत लोगों को भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

पिपरिया। नगर के पुराना गल्ला बाजार स्थित भाजपा कार्यालय में नगर मंडल के द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगांव में आतंकी हमले में दिवंगत हुए लोगो को मोमबत्ती जलाकर श्रद्धांजली दी गई। इस अवसर पर नगर मंडल अध्यक्ष बलराम ठाकुर, भाजपा जिला उपाध्यक्ष गोपाल दास दुदानी, नगर पालिका पूर्व उपाध्यक्ष राजेंद्र उपाध्याय, पूर्व जिला सतर्कता सदस्य अरविंद राय, खापरखेड़ा मंडल अध्यक्ष राजा भैया पटेल, प्रशांत रघुवंशी, राजेश जायसवाल, पवन वालिया, शिव कुमार स्थापक, पार्षद नरेंद्र पटेल , देवेंद्र तिवारी ,मिथलेश गुप्ता आदि उपस्थित रहे।

जम्मू कश्मीर के आतंकी हमले में दिवंगत लोगों को दी श्रद्धांजलि

पिपरिया। पूर्व सैनिक एसोसिएशन एवं संकल्प फाउंडेशन के द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में दिवंगत लोगों को श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा का आयोजन नगर के मंगलवारा चौक पर हुआ। जहां पर पूर्व सैनिकों संकल्प फाउंडेशन के युवाओं, विद्यार्थियों एवं समाज के गणमान्य नागरिकों के द्वारा दिवंगत लोगों की याद में उन्हें पुष्प अर्पित किए गए एवं मोमबत्ती जलाकर 2 मिनट का मौन धारण कर ईश्वर से उनकी आत्म शांति की कामना तथा उनके परिवार को इस वज्रपात को सहन करने की ईश्वर से शक्ति प्रदान

करने की प्रार्थना की गई। इस दौरान पूर्व सैनिक एसोसिएशन के अध्यक्ष आर के पांडे, उपाध्यक्ष बलराम पाटर, निरंजन वैष्णव, चरण सिंह रघुवंशी, हेमराज पटेल, जितेंद्र पुर्वीया, माधव सिंह पटेल, साहब सिंह कहार, पोहप सिंह पटे, रामगोपाल अहिरवार, श्यामलाल कहार, उमेश साहू, संतोष पटेल, समाजसेवी भूपेंद्र सिंह पटेल, किशोर राजपूत, विश्व हिंदू परिषद नगर अध्यक्ष यश भार्गव, हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष श्याम सुंदर सोनी, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष राजीव जायसवाल, स्टूडेंट ऑर्गेनाइजेशन सहित बड़ी संख्या में नगर के आम नागरिक एवं संकल्प फाउंडेशन के युवा सम्मिलित हुए।

पहलगाम के आतंकी हमले के खिलाफ भोपाल में प्रदर्शन, पाकिस्तान का पूतला फूंका, लोगों की मांग

आतंकी घटना का मुंहतोड़ जवाब दे सरकार

भोपाल। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत होने के बाद देशभर में आतंकवादियों की इस कायराना हरकत की निंदा हो रही है। इस घटना के विरोध में भोपाल में कई जगह प्रदर्शन किया जा रहा है। जय हिंद सेना ने भारत माता चौराहे पर प्रदर्शन कर पाकिस्तान का पुतला फूंका, तो मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड के कार्यालय के बाहर वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष सनोवर पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों ने पाकिस्तान और आतंकवाद का पुतला जलाया।

पुतला दहन के दौरान मुस्लिम समाज के लोगों ने आतंकवाद और पाकिस्तान की पुतले पर थूंककर आक्रोश जताया। वहीं भोपाल के चार बत्ती चौराहे पर कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में मुस्लिम महिलाएं और बच्चियां भी मौजूद थीं। प्रदर्शन के दौरान आतंकवाद मुर्दाबाद, मोदी जी 56 इंच का सीना दिखाना होगा के नारे लगाए गए। पक्ष-विपक्ष के नेता इस घटना की निंदा कर रहे हैं।

आतंकियों को मुंह तोड़ जवाब मिलेगा : सीएम

सीएम डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क्ष (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ कायराना आतंकी हमला घोर निंदनीय है। इस कायराना और अमानवीय कृत्य में कई निर्दोष लोगों की जान गई है। मैं सभी दिवंगतों की पुण्यात्माओं को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। इस घृणित कृत्य में अपने प्रियजनों को खोने वाले सभी शोकाकुल परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। बाबा महाकाल से प्रार्थना है कि हमले में सभी घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। बाद में उन्होंने कहा कि आतंकी हमले में इंदौर निवासी सुशील जी की दुखद मृत्यु हुई है। मैं बाबा महाकाल से कामना करता हूं कि उन्हें अपने श्री चरणों में स्थान दें। यह पाकिस्तान की कायराना हरकत है। पाकिस्तान और उसके पिछलग्गुओं की इस हरकत का जवाब देने के लिए पूरा देश एकजुट है और हमारी सरकार भी बहुत अच्छे से प्लानिंग करके आगे बढ़ रही है। हम सब बाबा महाकाल से कामना करेंगे की आने वाले समय में ऐसी कोई कायराना हरकत ना हो।

ब्रीफ न्यूज

बाल विवाह पर भोपाल कलेक्टर सख्त...

मैरिज गार्डन, कैटरिंग और बैंड वालों पर भी होगी कार्रवाई, धर्मगुरु पर भी कसेगा शिकंजा

भोपाल। अक्षय तृतीया से पहले राजधानी भोपाल के जिला प्रशासन ने बाल विवाह के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने बाल विवाह में शामिल मैरिज गार्डन संचालकों, कैटरर्स, बैंड वालों और धर्मगुरुओं के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी है।बाल विवाह रोकथाम अधिनियम 2006 के तहत दोषियों को दो साल की जेल, एक लाख रुपये का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

कलेक्टर ने अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त को देखते हुए यह आदेश जारी किया, क्योंकि इस अवसर पर बड़ी संख्या में विवाह होते हैं, जिनमें बाल विवाह की आशंका बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि बाल विवाह की सूचना सही पाए जाने पर वर-वधू के परिजनों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया जाएगा। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि विवाह समारोह में सेवाएं देने वाले, जैसे मैरिज गार्डन, कैटरिंग या बैंड वाले, यह सुनिश्चित करें कि वर और वधू बालिग हैं। आयु प्रमाणपत्र की जांच अनिवार्य होगी। कलेक्टर ने सामूहिक विवाह आयोजकों से लिखित आश्वासन देने को कहा है कि उनके आयोजन में कोई नाबालिग विवाह नहीं करेगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे बाल विवाह की सूचना तुरंत प्रशासन को दें।

संविधान बचाओ रैली से नेताओं में जान फूंकेगी कांग्रेस

ग्वालियर में संविधान बचाओ रैली शामिल होंगे राहुल-प्रियंका भी

भोपाल। मप्र में कांग्रेस अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं में जान फूंकने की कोशिश में लगी हुई है। इसके लिए मप्र कांग्रेस 28 अप्रैल को ग्वालियर में संविधान बचाओ रैली करने जा रही है। इस रैली में मप्र कांग्रेस के तमाम बड़े नेता ही नहीं, बल्कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी जैसे बड़े नेता भी शामिल होंगे।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि हर कार्यकर्ता इस आंदोलन को अपनी जिम्मेदारी माने और हर गांव, वार्ड तक संविधान का संदेश लेकर जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा के सांसद और देश के उप राष्ट्रपति तक सुप्रीम कोर्ट को चुनौती देते हैं। कांग्रेस पार्टी ने देश को आजाद कराया। बाबा साहब के साथ मिलकर संविधान को लागू कराया, इसलिए संविधान की रक्षा की जिम्मेदारी भी कांग्रेस की है। देश में लगातार संविधान और आरक्षण समाप्त करने की साजिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि 28 अप्रैल को ग्वालियर से राज्य स्तरीय रैली निकलने के बाद ब्लॉक स्तर पर रैलियां होंगी और इसके बाद घर-घर जाकर और चौपालों पर लोगों से बात की जाएगी।

तीन चरणों में चलेगा अभियान

कांग्रेस का यह अभियान 3 चरणों में चलेगा। इन 3 चरणों में कांग्रेस मोदी सरकार के खिलाफ तमाम मुद्दों को लेकर जनता के बीच रैली और घर-घर संपर्क अभियान के रूप में पहुंचेगी। 3 मई से 10 मई तक जिला स्तरीय संविधान बचाओ रैलियां आयोजित करेगा। इन रैलियों के माध्यम से मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ मुहिम छेड़ेगा। इसमें बढ़ती बेरोजगारी, महंगाई, कृषि संकट, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की बदहाली आदि मुद्दों को जनता के बीच उठाया जाएगा। इसके तहत प्रदेश कांग्रेस के सभी मौजूद विधायक, पूर्व विधायक और जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी विधानसभा स्तर पर जनजागरण अभियान चलाएंगे। इसमें केन्द्र सरकार द्वारा किए जा रहे केन्द्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग, महिलाओं, दलितों और आदिवासियों पर हो रहे हमलों को लेकर जनता के बीच बात रखी जाएगी। इस दौरान कांग्रेस के तमाम नेताओं से लेकर कार्यकर्ता घर-घर लोगों से संपर्क करेंगे। इसके अलावा चौपालों पर महंगाई, बेरोजगारी, संविधानिक अधिकारों के हनन जैसे मुद्दों पर लोगों से चर्चा की जाएगी। कांग्रेस सोशल मीडिया के माध्यम से भी लोगों तक अपनी बात पहुंचाएगी।

सैनिक कल्याण कार्यों में सेवा और सम्मान का भाव रहे: राज्यपाल पटेल

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा है कि सैनिक कल्याण कार्यों में सेवा और सम्मान का भाव रहना चाहिए। इसी के अनुरूप सैनिक कल्याण कार्यों का विस्तार और स्वरूप निर्धारित किया जाना चाहिए। कार्य संचालन में सैनिकों के प्रति सम्मान और सेवा के भाव और भावनाएं आदर्श रूप में प्रतिध्वनित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सैनिकों के लिए किए जाने वाले निर्माण कार्य की डिजाइनिंग, आकार और सुविधाएं पूर्व सैनिकों की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं के अनुरूप बनाई जाए। कार्य की समय सीमा और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

आदमपुर कचरा खंती में अभी भी सुलग रही आग

करीब तीन लाख टन कचरे में लग चुकी है आग

भोपाल। भोपाल की सबसे बड़ी आदमपुर कचरा खंती में मंगलवार से आग सुलग रही है। इससे आसपास के गांवों में धुआं ही धुआं है। यह 10 किलोमीटर दूर भोपाल से भी दिखाई दे रहा है। धुएं की वजह से ग्रामीणों की आंखों में जलन भी हो रही है।

अब तक करीब तीन लाख टन कचरे में आग लग चुकी है। कचरे का धुआं पड़रिया, बिलखिरिया, शांति नगर, समरधा, अर्जुन नगर, हरिपुरा व छावनी के लोगों के लिए मुसीबत बन रहा है, क्योंकि कई लोगों को आंखों में जलन हो रही है। जनपद सदस्य संतोष प्रजापति ने बताया कि धुएं की वजह से रातभर सो नहीं सके। सुबह भी धुआं निकल रहा है। खंती के आसपास करीब 12 हजार आबादी रहती है। बता दें कि आदमपुर कचरा खंती में एक दिन पहले मंगलवार दोपहर 1 बजे भीषण आग लग गई थी। आग बेकाबू हो गई थी। हालांकि, रात तक यह काबू में आई, लेकिन कचरा अधिक होने से यह फिर से सुलग गई। बुधवार दोपहर में भी धुआं निकल रहा है।

भोपाल से हर रोज निकल रहा 800 टन कचरा

जानकारी के अनुसार, भोपाल में हर दिन 800 मीट्रिक टन कचरा निकलता है। एक्सपर्ट के मुताबिक, कचरे की पूरी प्रोसेसिंग नहीं होती। सूखा कचरा सीमेंट प्लांट को नहीं भेजा जा रहा। इससे खंती में कचरा इकट्ठा होता रहा और तापमान बढ़ने से मीथेन गैस बनी। इससे आग भड़की, जो अब तक पूरी तरह से नहीं बुझ सकी है।

आईएएस, आईपीएस, आईएफएस को मिलेगा 55 प्रतिशत भत्ता

मप्र के साढ़े सात लाख कर्मचारी, अधिकारी फिर 5 प्रतिशत कम महंगाई भत्ता पाएंगे

भोपाल। एमपी में पदस्थ आईएएस, आईपीएस, आईएफएस और राज्य में प्रतिनियुक्त पर सेवा देने वाले कर्मचारियों को अब 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। इसके बाद एमपी के कर्मचारी और अधिकारी एक बार फिर महंगाई भत्ते में केंद्र सरकार के अधिकारियों, कर्मचारियों से 5 प्रतिशत पीछे हो गए हैं। पिछले माह यह अंतर तीन प्रतिशत था जो इस माह केंद्र सरकार द्वारा बढ़ाए गए 2 प्रतिशत भत्ते के चलते बढ़कर पांच प्रतिशत हो गया है। एमपी के कर्मचारियों और अधिकारियों को पहले ही जुलाई 2024 से तीन प्रतिशत कम भत्ता मिल रहा था और अब केंद्र के कर्मचारियों को जनवरी 2025 से मिलने वाले 2 प्रतिशत भत्ते के कारण वे और पीछे रह गए हैं। राज्य शासन के वित्त विभाग द्वारा पिछले सप्ताह जारी आदेश में सभी विभागों, विभागाध्यक्षों, राजस्व मंडल ग्वालियर, सभी संभागायुक्त और कलेक्टरों को दिए निर्देश में कहा है कि अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों और कर्मचारियों को एक जनवरी 2025 से पुनरीक्षित दर पर महंगाई भत्ता दिया जाएगा।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों को भारत सरकार द्वारा 2 अप्रेल 2025 को जारी आदेश में एक जनवरी 2025 से महंगाई भत्ता मंजूर किया गया है। इसके बाद केंद्र के कर्मचारियों और अधिकारियों को अब एक जनवरी 2025 से मूल वेतन के 53 प्रतिशत के बजाय दो प्रतिशत अधिक यानी 55 प्रतिशत प्रतिशत महंगाई भत्ता दिया जाएगा। इसी के आधार पर राज्य सरकार के वित्त विभाग ने भी 17 अप्रेल को केंद्र के कर्मचारियों और अधिकारियों को एक जनवरी 2025 से 53 की बजाय 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता देने का आदेश जारी किया है। राज्य सरकार यह भुगतान नकद करेगी। मध्यप्रदेश तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी का कहना है कि एमपी के कर्मचारियों को अभी 50 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है जबकि केंद्र के कर्मचारी 55 प्रतिशत भत्ता पा रहे हैं। इस तरह राज्य के कर्मचारी 5 प्रतिशत पीछे हैं। राज्य सरकार के कर्मचारियों को 3 प्रतिशत महंगाई भत्ता 1 जुलाई 2024 से कम मिल रहा था और अब केंद्र द्वारा एक जनवरी 2025 से यह राशि दो प्रतिशत बढ़ा दी, तो राज्य का कर्मचारी अधिकारी पांच प्रतिशत महंगाई भत्ता कम पा रहा है। पहले एमपी के कर्मचारियों को 46 प्रतिशत ही महंगाई भत्ता मिल रहा था जिसे मार्च 2025 में राज्य सरकार ने चार प्रतिशत बढ़ाकर 50 प्रतिशत किया था।

मंडीदीप में गेल प्लांट से गैस लीक

कड़ी मशक्कत के बाद रोका रिसाव

भोपाल। राजधानी भोपाल से सटे हुए रायसेन जिले के मंडीदीप औद्योगिक क्षेत्र में स्थित गैस एथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटे (गेल) के गैस प्लांट में मंगलवार-बुधवार की दरमियानी देर रात करीब 12 बजे रिसाव शुरू हो गया। गैस प्लांट में लिक्विड नाइट्रोजन गैस को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) में बदलकर उद्योगों, पाइप के जरिए घरों और व्यावसायिक उपयोग के लिए सप्लाई की जाती है। प्लांट में गैस के रिसाव के बाद सुरक्षा उपायों को आजमाया गया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद प्लांट में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। आनन-फानन में पुलिस और दमकल को सूचना दी गई। इसके बाद राज्य आपना मोचल बल (एसडीईआरएफ) को बुलाया गया। बुधवार सुबह एनडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंची। बड़ी मशक्कत के बाद बुधवार सुबह करीब साढ़े दस बजे के बाद रिसाव को रोका जा सका। गैस के दुष्प्रभाव से लोगों को बचाने के लिए प्लांट के चारों तरफ एक किलोमीटर दायरे में रहने वाले लोगों को रात में ही हटाने के साथ पूरे क्षेत्र को बेरिकेडिंग कर खाली करा लिया गया है। यहां किसी को घुसने की अनुमति नहीं है। पूरे क्षेत्र में नगर सेना और पुलिस बल तैनात किया गया है। कंपनी में लीकेज की बड़ी घटना होने के कारण जयपुर और दिल्ली से भी गेल कंपनी के अधिकारी आ रहे हैं। जयपुर से अधिकारी मंडीदीप पहुंचकर सेफ्टी की ऑडिट करना शुरू कर दिया है।

गैस का रिसाव रुकने के बाद बुधवार दोपहर में रायसेन कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा, पुलिस अधीक्षक पंकज कुमार पाण्डेय ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ प्लांट का निरीक्षण किया और सुरक्षा ऑडिट कराने के निर्देश दिए हैं। आसपास रहने वालों के स्वास्थ्य की भी जांच कराई जा रही, ताकि किसी प्रकार का प्रभाव अगर किसी को हुआ हो तो उसका समय पर इलाज कराया जा सके। उल्लेखनीय है कि गेल के इस प्लांट में एलएनजी गैस को पीएनजी में बदलकर उद्योगों, घरों और व्यावसायिक उपयोग के लिए सप्लाई की जाती है।

प्लांट की सुरक्षा बढ़ाई, अलर्ट पर टीमें

गैस प्लांट में रिसाव भले ही रुक गया है, लेकिन अब प्रशासन सतर्क हो गया है। गेल प्लांट के चारों तरफ किसी को जाने नहीं दिया जा रहा। पुलिस के साथ एसडीआरएफ की एक टीम मौके पर तैनात है। एनडीआरएफ की टुकड़ी भी मौके पर मौजूद है। मंडीदीप नगर पालिका के साथ भोपाल और मंडीपीद स्थित अन्य फैक्ट्रियों की दमकलों को भी अलर्ट मोड पर रखा गया है, ताकि किसी अप्रिय स्थिति से तुरंत निपटा जा सके।

कुछ कर्मचारी अस्पताल में भर्ती, प्लांट बंद

सूत्रों ने बताय कि गेस लीक होने के बाद लीकेज को रोकने के लिए सबसे पहले प्रयास करने वाले आधा दर्जन कंपनी कर्मचारियों का स्वास्थ्य बिगड़ गया है। उन्हें पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि प्लांट प्रबंधन किसी के अस्वस्थ होने से आनाकानी कर रहा है। जयपुर और दिल्ली से गेल कंपनी की टीम द्वारा पूरा सुरक्षा ऑडिट कर ओके रिपोर्ट नहीं देने पर प्लांट में ऑपरेशन बंद कर दिया गया है। कंपनी के अधिकारी सुरक्षा स्थिति के साथ इस तरह के हादसे होने के कारणों की भी जांच करेंगे, इसके बाद ही प्लांट दोबारा ऑपरेट करना शुरू करेगा।

गैस के प्रभाव को कम करने कर रहे सेनेटाइज व अन्य उपाय

रायसेन एसपी पंकज कुमार पाण्डेय ने बताया कि प्लांट के आसपास रिसी हुई गैस का प्रभाव कम करने के लिए सेनेटाईजेशन के साथ अन्य उपाय किए जा रहे हैं। प्रशासन भी वैज्ञानिकों की टीम को बुलाया है, ताकि प्लांट के आसपास गैस के रिसाव से होने वाले दुष्प्रभाव का पता लगाया जा सके। जब तक गैस लीक का दुष्प्रभाव आसपास के क्षेत्र में पूरी तरह से समाप्त नहीं हो जाता, लोगों को एक किलोमीटर के प्रतिबंधित क्षेत्र में आने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

उल्लेखनीय है कि मंडीदीप डी-सेक्टर में गेल का यह प्लांट है। इस प्लांट से मंडीदीप, गोविंदपुरा, सतलापुर और बंरसिया तथा अचारपुरा औद्योगिक क्षेत्र में गैस की सप्लाई की जाती है। अगर जल्दी ही गैस प्लांट में कार्य शुरू हुआ तो आसपास के औद्योगिक क्षेत्र के प्लांटों में गैस की किल्लत हो सकती है।

कलेक्टर ने कहा- प्रशासन को देरी से दी सूचना

गेल कंपनी प्रबंधन घटना को पहले प्रशासन से छिपाए रखना चाहता था। स्थिति जब जल्दी नियंत्रण में नहीं आई, तब प्रशासन को सूचना दी गई। रायसेन कलेक्टर अरुण विश्वकर्मा ने बताया कि बुधवार सुबह पांच बजे प्रशासन को गैस रिसाव की जानकारी दी गई, जबकि गैस का रिसाव देर रात से ही हो रहा है। कंपनी प्रबंधन को इस तरह सूचना देने में देरी जैसी लापरवाही दोबारा नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस बार शुभ त्रिवेणी योग में मनेगी अक्षय तृतीया

30 अप्रैल को रोहिणी नक्षत्र, सर्वार्थसिद्धि योग , शोभन और रवि योग में अक्षय तृतीया का संगम महत्वपूर्ण और फलदायी

भोपाल। पवित्र वैशाख मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया का पर्व 30 अप्रैल को विभिन्न योगों में मनाया जाएगा। शहर के मंदिरों में अक्षय तृतीया पर विभिन्न अनुष्ठान होंगे। ब्राह्मण समाज भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकालेगा, वहीं सामूहिक विवाह की धूमधाम शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में रहेगी।

धर्मशास्त्रों के अनुसार आखातीज को श्री विष्णु, माता लक्ष्मी और गौरी की पूजा से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है। इस दिन दान-पुण्य करना और सोना खरीदना शुभ माना जाता है। यह दिन सतयुग और त्रेतायुग के आरम्भ का प्रतीक है। वहीं श्रीहरि के अवतार भगवान परशुराम का इस पावन भूमि पर धर्म की स्थापना के लिए अवतार अक्षय तृतीया पर ही हुआ था। आचार्य पं. रामचन्द्र शर्मा वैदिक ने बताया कि 29 अप्रैल को शाम 5.32 बजे से 30 अप्रैल की दोपहर 2.25 बजे तक अक्षय तृतीया की तिथि रहेगी। उदयातिथि में 30 अप्रैल को शुभ अक्षय तृतीया मनाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि अक्षय तृतीया को किए गए दान, पुण्य, जप और तप का फल कभी नष्ट नहीं होता है। हिंदू धर्म में धन, समृद्धि और सौभाग्य का प्रतीक मानी जाती है अक्षय तृतीया। इस तिथि में किए गए सभी काम सफल और सिद्ध होते हैं। इस तिथि में कोई भी शुभ काम किया जा सकता है। जैसा कि इसके नाम से ही स्पष्ट है कि अक्षय, यानी जिसका क्षय न हो या जो कभी खत्म न हो। वहीं तृतीया, यानी तीसरी तिथि। इस तरह से अक्षय तृतीया का अर्थ हुआ कि वैशाख माह की तीसरी तिथि को जो भी काम किए जाएंगे, उनका कभी क्षय नहीं होगा।

विभिन्न योगों में इस बार शुभ फलदायी रहेगी अक्षय तृतीया

इस साल अक्षय तृतीया पर त्रिवेणी, सर्वार्थसिद्धि योग, शोभन योग और रवि योग बन रहे हैं। यह सभी ही अद्भुत योग हैं। सर्वार्थसिद्धि योग में जो भी काम किया जाता है, वह सिद्ध हो जाता है। शोभन योग शुभता का संकेत देता है और रवि योग काम में सफलता दिलाता है। ऐसे में इन योगों में पूजा, जप, तप और दान का विशेष महत्व है। इस दिन प्रभु विष्णु की आराधना और जप से अक्षय फल की प्राप्ति कर सकते हैं।

VNS COLLEGE OF PHYSICAL EDUCATION AND MANAGEMENT STUDIES, BHOPAL
Nathu Barkheda Neelbud, Bhopal
CONTACT: 6232004607, 6232004608
Faculty Required
Application are Invited for vacant Posts as per following details:
Dept. of Education (B.Ed & D. El. Ed.)
Professor, Associate Professor & Assistant Professor
(Foundation, Hindi, English, Social Studies, Science, Maths, Fine Arts, Performing Art & Health and Phy. Edu. Instructor)
Dept. of Physical Education (M.P.Ed, B.P.Ed.)
Sr. Professor, Professor, Associate Professor & Assistant Professor
Qualification and Pay Scale as per NCTE Norms.
Visit www.physical.vns.as.in for details
Mail your resume at -
vnsphyedu@rediffmail.com, itcphysical @gmail.com
at the earliest

स्वामी **निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि.**, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक श्रीमती रीता सिंह द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11, प्रेस कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर-462023 भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं फ्लैट नंबर 601, ए-2, फॉर्चून कस्तूरी, होशंगाबाद रोड, भोपाल-11 (म.प्र.) से प्रकाशित।
***स्थानीय संपादक: बालेन्द्र गुप्ता।** पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र भोपाल रहेगा।), **आर.एन.आई.नं. 58842/94**